



सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण



sabsetejprj2023@gmail.com मंगलवार, 08 सितंबर 2026 वर्ष: 04, अंक: 168 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रु.

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हॉस्टल हादसे के लिए एमसीडी, डीयू जिम्मेदार : दिल्ली हाईकोर्ट

सरकार भी जवाबदेही से नहीं बच सकती; बिल्डिंग मालिक राजस्थान से गिरफ्तार; अब तक 7 लोगों की मौत

नई दिल्ली/एजेंसी

देश की राजधानी में एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ है। दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में एक चार मंजिला इमारत अचानक गिर गई। इस दर्दनाक घटना में 50 से 60 छात्रों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। नानकपुरा गुरुद्वारे के पास इमारत गिरने की सूचना दोपहर करीब 1:34 बजे साउथ कैम्पस पुलिस स्टेशन को पीसीआर कॉल से मिली। स्थानीय पुलिस, फायर ब्रिगेड, कैट एम्बुलेंस और अन्य आपातकालीन टीमों मौके पर पहुंचीं। एनडीआरएफ की टीम भी बचाव और राहत कार्य में जुट गई है। बचाव कार्य तेजी से जारी है, लेकिन फंसे लोगों की सही संख्या अभी पता नहीं है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, अब तक 2 लोगों को मलबे से सुरक्षित निकाला गया है। उन्हें अस्पताल ले जाया गया है, जहां तीन मरीजों की हालत गंभीर बनी हुई है। ये तीनों मरीज ट्रॉमा सेंटर में भर्ती हैं। सत्य निकेतन के पास घटनास्थल पर जेसीबी मशीन पहुंच गई है। स्थानीय बच्चे मानव श्रृंखला बनाकर पुलिस आपदा टीम को मदद कर रहे हैं। इमारत गिरने की सूचना मिलते ही आपातकालीन सेवाएं सक्रिय हो गईं। स्थानीय पुलिस, फायर ब्रिगेड और कैट



कई छात्र गंभीर रूप से घायल हुए, सात की मौत, रेस्क्यू ऑपरेशन खत्म

फायर ब्रिगेड और बचाव दल लगभग 15 से 20 मिनट से लोगों को बाहर निकालने में जुटे रहे। कई छात्र गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बचावकर्मी उन्हें बहुत मुश्किल से बाहर निकाल रहे हैं। फंसे हुए छात्रों की सही संख्या पंजीकरण अभिलेख की जांच के बाद ही पता चलेगी। मलबे के अंदर से अभी भी बच्चों के चिल्लाने की आवाजें आ रही हैं। वे "हमें बचाओ, हमें बचाओ!" कहकर मदद मांग रहे

एम्बुलेंस की टीमों घटनास्थल पर पहुंचीं। एनडीआरएफ की टीम भी बचाव और राहत कार्य के लिए बुलाई गई है। मलबे में फंसे लोगों

सात शव निकाले गए और चार बच्चों को जीवित बचाया गया

एक चश्मदीद के अनुसार, इमारत का नवीनीकरण कार्य चल रहा था। खासकर भूतल पर किराए के लिए जगह बनाने का काम हो रहा था। वे तहखाना भी बना रहे थे। ऊपरी हिस्से को तो मजबूत किया गया था, लेकिन नीचे के खंभे कमजोर थे। इसी वजह से इमारत ढह गई। मजदूर नीचे काम कर रहे थे और मलबे में दब गए।

को निकालने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चल रहा है। जेसीबी मशीन का उपयोग कर भारी मलबा हटाया जा रहा है। दक्षिण-पश्चिम

पास ही दुकान चलाने वाले एक चश्मदीद ने भूकंप जैसी गड़गड़ाहट सुनी और बाहर भागे। उन्होंने देखा कि पूरी इमारत ढह चुकी थी, जहां बहुत धुआं और धूल फैली थी। कुछ शव निकाले गए हैं और चार बच्चों को जीवित बचाया गया। चश्मदीद के अनुसार, मलबे में कम से कम 25 से 30 बच्चे फंसे हो सकते हैं। अब तक चार से पांच लोगों को बचाया गया है और दो से तीन शव मिले हैं।

दिल्ली के सत्य निकेतन के पास गिरी इमारत ढह गई है। इस घटना में 'हॉस्टल डेज' नामक पांच मंजिला पेइंग गेस्ट आवास भी

थे।

इमारत गिरने का कारण एक चश्मदीद के अनुसार, इमारत का नवीनीकरण कार्य चल रहा था। खासकर भूतल पर किराए के लिए जगह बनाने का काम हो रहा था। वे तहखाना भी बना रहे थे।

ऊपरी हिस्से को तो मजबूत किया गया था, लेकिन नीचे के खंभे कमजोर थे। इसी वजह से इमारत ढह गई। मजदूर नीचे काम कर रहे थे और मलबे में दब गए।

शामिल है। इसके बगल वाली एक और इमारत भी मलबे में बदल गई। कई छात्र और मजदूर मलबे के नीचे दब गए हैं।

सवाल करो तो दिमागी नक्सल कहलाते हैं: राहुल गांधी

नई दिल्ली/एजेंसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को दिल्ली के सत्य निकेतन में पीजी गिरने की घटना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सरकार पर ऐसे हादसों को रोकने और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने में नाकाम रहने का आरोप लगाया है। पर एक पोस्ट में गांधी ने कहा कि बीजेपी सरकार का एक पैटर्न है, हादसों से पहले कोई एहतियाती कदम नहीं उठाना और फिर त्रासदियों के बाद दिखावा करना, जबकि निचले स्तर के कुछ अधिकारियों को दोषी ठहराना और जिन्हें उन्होंने असली दोषी बताया, उन्हें जवाबदेही से बचने देना। पुलिस के मुताबिक, सत्य निकेतन में रविवार दोपहर करीब 1:30 बजे पांच मंजिला पीजी इमारत अचानक भरभराकर गिर गई थी। इमारत में बड़ी संख्या में छात्र रहते थे। हादसे के बाद मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका जताई गई। बचाव अभियान के दौरान लोगों को मलबे से निकाला गया। सोमवार तक हादसे में सात



सत्य निकेतन: 10 मिनट पहले निकले, नहीं तो दबे होते: छात्र

नई दिल्ली। शुक है हम बच गए...यह कहना है, दिल्ली के सत्य निकेतन के हॉस्टल से कुछ देर पहले निकले छात्रों का। इनके मुताबिक, इमारत गिरने से कुछ देर पहले दीवारों से दरकने यानी फ्रैक की आवाजें भी आ रही थीं। कुछ छात्रों ने बताया कि वे हादसे से महज 10-20 मिनट पहले ही बिल्डिंग से बाहर निकले थे। लौटे तो सबकुछ बिखर गया था। बिल्डिंग के बेसमेंट में करीब एक हफ्ते से काम चल रहा था। हादसा दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ

कैम्पस के पास सत्य निकेतन में रविवार दोपहर करीब 1:30 बजे हुआ। गिरी हुई इमारत करीब 40 साल पुरानी थी। मलबे से अब तक 6 लोगों के शव मिल चुके हैं। अगर वहां से नहीं निकलते तो हम भी दब जाते। हॉस्टल के नजदीक रहने वाले मोहम्मद यासीन ने कहा, " मैं फ्लैट में रहता हूं। कल मैं अपने दोस्त वारिस के पास हॉस्टल डेज में रुका था। रातभर बात करते रहे। दोपहर में 12 बजे उठे। मेरा दोस्त वारिस बोला बिल्डिंग गिरने वाली है।

सत्य निकेतन हादसे पर कांग्रेस ने केंद्र के रवैये की निंदा की, घटना की जांच, जिम्मेदारी तय करने की मांग

नई दिल्ली/एजेंसी

दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में हुए हादसे को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार के रवैये की निंदा की है।

पार्टी ने हादसे में छात्रों की मौत पर दुख जताते हुए घटना की जांच, जिम्मेदारी तय करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

है। एनएसयूआई प्रभारी कन्हैया कुमार ने यहां कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि घटना को करीब 24 घंटे होने को है, लेकिन

मलबा अभी तक पूरी तरह नहीं हट पाया है। मौके पर मौजूद पुलिस प्रशासन केवल राहत और बचाव का काम नहीं कर रहा,

बल्कि सच छिपाने का भी काम कर रहा है। एनएसयूआई अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने दावा किया कि घटना करीब 1.30 बजे हुई,

लेकिन मौके पर न तो कोई पुलिसकर्मी मौजूद था, न मेडिकल टीम और न ही रेस्क्यू टीम। उनके मुताबिक, वहां केवल एक एंबुलेंस

मौजूद थी। उन्होंने कहा कि हादसे की जानकारी मिलते ही एनएसयूआई के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और छात्रों की हर संभव

मदद की। उस समय कई छात्र मलबे में दबे हुए थे और मदद के लिए चीख-पुकार कर रहे थे।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजुकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहां हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध हैं और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृत्ति की सुविधा भी उपलब्ध है।

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

Website : <http://sssgroup.co.in>

SATYAM SHIVAM SHUBHAM GROUP OF INTITION

TIKRI PRAYAGRAJ

Course

B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharm
D.Pharm, ITI, BTC.

संजय शुक्ल
चेयरमैन

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा एवं राष्ट्रनिर्माण के सफर को जन-जन तक पहुंचाएगी भाजपा-जिलाध्यक्ष

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प एवं सेवा को समर्पित सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा इसे सेवा संकल्प अभियान के रूप में मनाएगी जिसके संदर्भ में पार्टी जिला कार्यालय में आयोजित जिला कार्यशाला को मुख्यातिथि काशी क्षेत्र से क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी अवधेश चंद्र गुप्ता,जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने संबोधित किया।
जिला प्रभारी अवधेश चंद्र गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि सेवा संकल्प अभियान 2026 भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा,समर्पण और राष्ट्र निर्माण के

25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाया जाने वाला एक महीने का राष्ट्रव्यापी जनसंपर्क एवं सेवा अभियान के रूप में मनाया जाएगा यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलेगा जिसे लेकर कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प एवं सेवा को समर्पित सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूर्ण होना भारतीय लोकतंत्र और राष्ट्रसेवा की उस गौरवशाली यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है,जिसमें व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर राष्ट्रहित,जनसेवा और अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी



गई प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प एवं सेवा को समर्पित सार्वजनिक जीवन का मूल उद्देश्य अंत्योदय,राष्ट्रप्रथम और सुशासन रहा है।
उनके व्यक्तित्व में इन तीनों मूल्यों

की ऐसी त्रिवेणी दिखाई देती है,जिसकी वैचारिक आधारशिला श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के दर्शन,श्रद्धेय डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की राष्ट्रनिष्ठा तथा

श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के लोकतांत्रिक एवं मानवीय मूल्यों से निर्मित हुई है।
इन महापुरुषों से प्राप्त संस्कारों को प्रधानमंत्री मोदी ने केवल विचारों तक सीमित नहीं रखा,बल्कि अपने आचरण,अनुशासन,परिश्रम और निरण्यों के माध्यम से उन्हें जनसेवा की कार्यशैली में स्थापित किया। यही कारण है कि उनका सार्वजनिक जीवन आज सेवा,सुशासन और राष्ट्रनिर्माण के संकल्प का पर्याय बन चुका है।25 वर्षों की इस यात्रा में प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम न मानकर राष्ट्रसेवा का साधन बनाया। समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना,गरीबों,वंचितों और

जरूरतमंदों को सशक्त बनाना तथा भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर कार्य करना प्रमुख पहचान रही है प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व क्षमता ने देश की राजनीति में राष्ट्र प्रथम की भावना को नई ऊर्जा प्रदान की है। कठिन परिस्थितियों में भी हठ निर्णय लेने,चुनौतियों को अवसर में बदलने और देशहित को सर्वोपरि रखने की उनकी प्रतिबद्धता ने करोड़ों देशवासियों में नए विश्वास का संचार किया है।इस मौके पर सभी सम्मानित पदाधिकारीगण,जनप्रतिनिधिगण,मण्डल अध्यक्षगण,मण्डल महामंत्री,मोर्चा जिलाध्यक्ष सहित सम्मानित कार्यकर्तागण उपस्थित रहें।

1200 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार



सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी जाफरगंज के निकट पर्यवेक्षण में थाना ललौली पुलिस द्वारा सोमवार को चैकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर सोनू प्रजापति पुत्र सूरजभान निवासी ग्राम सिधाय थाना ललौली जनपद फतेहपुर उम्र करीब 27 वर्ष को अवैध 01 किलो 200 ग्राम गांजे के साथ किया गया गिरफ्तार।



दुष्कर्म का वांछित आरोपी गिरफ्तार

फतेहपुर। एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को थाना गाजीपुर पुलिस द्वारा दुष्कर्म व आईटी एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त रजनीश कुमार पुत्र गुलजारी उर्फ ज्ञानेन्द्र सिंह निवासी ग्राम घघौरा थाना गाजीपुर जनपद फतेहपुर उम्र करीब 28 वर्ष को गिरफ्तार किया गया।

जल निगम, सिंचाई विभाग एवं नलकूप विभाग के कार्यों की डीएम ने की समीक्षा

अधिशासी अभियंता एवं सहायक अभियंता का वेतन रोकने के निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज उदयन सभागार में जल निगम, नलकूप एवं सिंचाई विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।



सोशल सेक्टर विभागों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने उदयन सभागार में सोशल सेक्टर विभागों की योजनाओं/कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने छात्रवृत्ति की समीक्षा के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी से कहा कि सभी आवश्यक कार्यवाही समयबद्ध पूर्ण करा लिया जाए, ताकि कोई छात्र छात्रवृत्ति से वंचित न रहने जाए। उन्होंने जिला प्रोबेशन अधिकारी से कहा कि निराश्रित महिला पेंशन योजना के अंतर्गत परिवार रजिस्टर से लाभार्थियों की सूची का मिलान कराकर छूटे हुए पात्रों को लाभान्वित किया जाए, ताकि कोई पात्र योजना से वंचित न रहने पाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत आवेदनों का सत्यापन कर दिया जाए।

बैठक में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने कहा कि ओ-लेवल एवं सी.सी.सी. के अंतर्गत प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिस पर जिलाधिकारी ने उपायुक्त, मनरेगा से सत्यापन कराने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी ने जल-जीवन मिशन के अंतर्गत ओवरहेड टैंक का निर्माण कार्य, पाइपलाइन बिछाने का कार्य, गृह संयोजन एवं पाइप लाइन बिछाने के दौरान तोड़ी गई सड़क के मरम्मत कार्य की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न पाए जाने/कार्य में कमी पाये जाने पर सम्बन्धित फर्म के विरुद्ध जुमानां आदि सख्त कार्यवाही की जाए।

जिलाधिकारी ने जल-जीवन मिशन के कार्यों में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए अधिशासी अभियंता,

जल निगम एवं सहायक अभियंता, जल निगम का वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिशासी अभियंता, नलकूप को यांत्रिक/विद्युत दोष के कारण बन्द नलकूपों को शीघ्र क्रियाशील कराने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी एवं अपर जिलाधिकारी शालिनी प्रभाकर सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

दो दम्पति के मध्य सुलह समझौता कराया गया



सबसे तेज प्रयागराज बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक बाराबंकी अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन में वैवाहिक विवादों का त्वरित निस्तारण के क्रम में महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन (परिवार परामर्श केन्द्र) प्रभारी श्रीमती मुन्नी देवी व उनकी टीम द्वारा काउंसिलिंग कर पति-पत्नी के परिवारिक विवाद सम्बन्धी मामलों में 02 दम्पति के मध्य आपसी सहमति से सुलह समझौता कराया गया।

हत्या का प्रयास करने वाले वांछित गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी। 23 अगस्त को थाना संदीपनघाट पर वादी पिन्टू पुत्र अस्पताली सरोज निवासी पट्टीपरवेजाबाद बड़े गांव थाना संदीपनघाट जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी थी कि सरकारी नल से पानी लेने के विवाद को लेकर विपक्षी द्वारा मेरे भाई दुर्गेश को गाली गलौज करते हुये लात घुसो व लाठी डंडा फरसा से मारा पीटा गया है जिससे उनकी गम्भीर चोट आई है। थाना संदीपनघाट पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त रवि पुत्र सन्तोष निवासी पट्टीपरवेजाबाद बड़ागांव थाना संदीपनघाट जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया।



जिलाधिकारी ने की बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड की समीक्षा बैठक

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में कार्यालय कक्ष में बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में अध्यक्ष,बाल कल्याण समिति ने बताया कि परिवार में पुनर्वासित 43 बच्चों तथा संस्थानों में आवासित 29 बच्चों का फॉलो-अप लिया जा रहा है। माह अगस्त,2026 में 35 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। माह अगस्त,2026 में देखरेख एवं संरक्षण से सम्बन्धित 43 नये प्रकरण प्राप्त हुए है।

जिलाधिकारी ने



अध्यक्ष,बाल कल्याण समिति को निर्देशित किया कि देखरेख एवं संरक्षण से सम्बन्धित बालकों एवं परिवार में पुनर्वासित बच्चों का फॉलो-अप किया जाए। उन्होंने कहा कि वन स्टॉप सेंटर में

आवासित महिलाओं व बालिकाओं का काउन्सिलिंग एवं विधिक प्रक्रिया पूर्ण कराते हुये उनका पुनर्वासन एवं प्रकरणों का ससमय निस्तारण किया जाए। उन्होंने श्रम प्रवर्तन अधिकारी को

वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण कर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए

बैठक में सदस्य किशोर न्याय बोर्ड ने बताया कि माह अगस्त,2026 में 7 नये मामले आये हैं, जिस पर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि देखरेख एवं संरक्षण से सम्बन्धित बच्चों के मामलों को नियमानुसार समयान्तर्गत निस्तारित कराएं।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. संजय कुमार एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी नीरज कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

धार्मिक स्थलों से माइक हटाए , आजाद समाज पार्टी का विरोध: बिजनौर में डीएम को सौंपा ज्ञापन

पुलिस पर बिना आदेश कार्रवाई का आरोप

सबसे तेज प्रयागराज बिजनौर, बिजनौर में धार्मिक स्थलों से माइक और लाउडस्पीकर हटाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। सोमवार को आजाद समाज पार्टी के कई पदाधिकारी कलेक्ट्रेट पहुंचे और डीएम जसजीत कौर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस मंदिरों और मस्जिदों से बिना कोई लिखित आदेश दिखाए माइक और लाउडस्पीकर हटवा रही है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि पुलिस से कार्रवाई का आदेश दिखाने को कहा जाता है तो अधिकारी सिर्फ ऊपर से निर्देश मिलने की बात कहते हैं। आरोप है कि विरोध करने पर पुलिसकर्मियों का व्यवहार ठीक नहीं रहता और झूठे मुकदमे में फंसेना या जेल भेजने की धमकी दी जाती है।

ज्ञापन में आजाद समाज पार्टी ने कहा कि पुलिस धार्मिक स्थलों पर लगे माइक और लाउडस्पीकर हटवा रही है। नेताओं के मुताबिक, जब कार्रवाई का आधार पृष्ठ जाता



है तो पुलिस ऊपर से आदेश होने की बात कहती है, लेकिन कोई आदेश दिखाया नहीं जाता। पार्टी ने कहा कि धार्मिक स्थलों पर तब नियमों के अनुसार ही माइक और लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किया जाता है।

प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि कार्रवाई का विरोध करने पर पुलिस का व्यवहार गलत रहता है। लोगों को झूठे मुकदमे में फंसेना और जेल भेजने की धमकी तक दी जाती है। पार्टी नेताओं का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई

से लोगों में डर पैदा हो रहा है और धार्मिक मामलों को लेकर तनाव की स्थिति बन सकती है।

ज्ञापन में कहा गया कि मौजूदा कार्रवाई से वह संदेश जा रहा है कि मस्जिदों से हिंदू समाज के दबाव में और मंदिरों से मुस्लिम समाज के दबाव में माइक हटाए जा रहे हैं। आजाद समाज पार्टी ने कहा कि पुलिस की इस तरह की कार्रवाई दोनों समुदायों के बीच डर और असंतुलन पैदा कर सकती है। नेताओं ने इसे संविधान की भावना के खिलाफ बताते हुए सामाजिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका जताई।

आजाद समाज पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने डीएम जसजीत कौर से इस मामले में हस्तक्षेप करने और धार्मिक स्थलों से माइक हटाने की कार्रवाई को तत्काल रोकने की मांग की। ज्ञापन सौंपने के दौरान पार्टी के जिला अध्यक्ष, चांदपुर नगरपालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष शेराबाज पटौन समेत कई नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य सेवा की दिशा में नई पहल

सिविल लाइंस में हुआ आयुर्वेदिक केंद्र का भव्य शुभारंभ

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद के क्षेत्र में जनसामान्य को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में आज सिविल लाइंस, सुभाष चौराहा, एल-नविको रेस्टोरेंट के पीछे एक नए "कउट मेरा आयुर्वेदिक केंद्र" का भव्य शुभारंभ जॉईंट कमिशनर प्रयागराज अख्ठलाल विश्वकर्मा द्वारा फीता काटकर किया गया साथ में केंद्र के प्रोप्राइटर डॉ. अजय शर्मा, एडवोकेट एवं कोहिनूर क्राउन प्रेसिडेंट स्टार उपस्थित रहे।

उद्घाटन समारोह में कंपनी से जुड़े अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में क्राउन प्रेसिडेंट स्टार डी.एन. सिंह , क्राउन प्रेसिडेंट स्टार राजेश गुप्ता, क्राउन प्रेसिडेंट स्टार, राम बाबू , क्राउन प्रेसिडेंट स्टार

यादव सहित अनेक वरिष्ठजनों ने अपनी गरिमायमी उपस्थिति दर्ज कराई। विशिष्ट अतिथियों के रूप में सीबीसी के राम मूरत, मैकू लाल विश्वकर्मा,एडवोकेट मुकेश स्वक्सेना सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

केंद्र के प्रोप्राइटर डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य आयुर्वेद और प्राकृतिक स्वास्थ्य संबंधी उत्पादों को लोगों तक पहुंचाने के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में इस केंद्र के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य से संबंधित उत्पादों की व्यापक रेंज एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकेगी।

उद्घाटन समारोह उत्साह, गरिमा एवं भव्यता के साथ संपन्न हुआ। उपस्थित अतिथियों ने इस नई पहल की सराहना करते हुए केंद्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।



दर्शिका गुप्ता, क्राउन एम्बेसडर स्टार श्याम नारायण एवं क्राउन एम्बेसडर स्टार आर.बी.

डीएम ने की जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की बैठक

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज उदयन सभागार में जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की बैठक कर स्वच्छता कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा- निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने व्यक्तिगत शौचालयों की रेट्रोफिटिंग के लिए किए जा रहे सर्वे की समीक्षा करते हुए जिला पंचायतराज अधिकारी को निर्देशित किया कि लक्ष्य के सापेक्ष अवशेष 1388 शौचालयों की रेट्रोफिटिंग का कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाए। उन्होंने

आर.आर.सी. के संचालन की समीक्षा के दौरान जिला पंचायतराज अधिकारी एवं संबंधित सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) को निर्देशित किया कि आर.आर.सी. का संचालन और अधिक प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सामुदायिक शौचालयों के संचालन एवं केयरटेकरों के भुगतान की स्थिति की समीक्षा के दौरान कहा कि केयरटेकरों को समय से भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में जिला पंचायतराज अधिकारी ने बताया कि जिले में 443 आर.आर.सी. के सापेक्ष 411 आर.आर.सी.



संचालित हैं, जिनसे अब तक कुल 30 लाख रुपये की आय हुई है, जिस पर जिलाधिकारी ने शेष आर.आर.सी. का भी शीघ्र

संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिला पंचायतराज अधिकारी ने बताया कि ग्राम पुरखास में

निर्मित प्लास्टिक यूनित में अब तक 51.99 कुंतल तथा ग्राम टेंवा में निर्मित प्लास्टिक यूनित में 62.32 कुंतल प्लास्टिक एकत्र किया जा चुका है।

दोनों इकाइयों में प्लास्टिक की धुलाई एवं छंटाई का कार्य कराया जा रहा है। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग एवं लोक निर्माण विभाग से समन्वय स्थापित कर प्लास्टिक की बिक्री की कार्यवाही प्रचलित है। वर्तमान में अन्य वेंडरों के माध्यम से प्लास्टिक की बिक्री कर

ओ.एस.आर. जरनेट किया जा रहा है, जिलाधिकारी ने इस कार्य में और सुधार लाने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला पंचायतराज अधिकारी ने बताया कि शासन द्वारा "मेरा तालाब, मेरी जिम्मेदारी" अभियान के अंतर्गत जनपद के 100 तालाबों को प्लास्टिक मुक्त एवं प्रबंधित ग्रे-वाटर के साथ मॉडल तालाब के रूप में विकसित किए जाने के निर्देश प्राप्त हुए हैं।

जिस पर जिलाधिकारी ने कहा कि शासन द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

झूठे मुकदमों में फंसाकर समझौते के नाम पर वसूली करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

महिलाओं और अन्य सहयोगियों के जरिए दर्ज कराते थे गंभीर धाराओं में मुकदमे, दबाव बनाकर मांगते थे धनराशि

सबसे तेज प्रयागराज बिजनौर। कोतवाली शहर पुलिस व स्वाट/सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए लोगों को झूठे मुकदमों में फंसाकर समझौते के नाम पर धनराशि मांगने वाले कथित गिरोह का पदांशित किया है। पुलिस ने गिरोह से जुड़े पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरोह लोगों के आपसी विवाद, पुरानी रंजिश और अन्य मामलों की जानकारी जुटाकर उन्हें अपने प्रभाव में लेता था और फिर मुकदमे में समझौता करने के नाम पर दबाव बनाकर धनराशि की मांग करता था। पुलिस के अनुसार जुल्फेकार उर्फ बब्बू लंगड़ा, अफजाल, गुड्डू, कुंती और प्रीति को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के खिलाफ कोतवाली शहर में मुकदमा अपराध संख्या 706/2026, धारा 61(2)/308(5) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इस प्रकरण के संबंधित आरोपियों के खिलाफ थाना नहटौर में भी मुकदमा दर्ज किए जाने की जानकारी



एवं जनपदों में गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज किए जाते थे। इसके बाद मुकदमे में समझौता करने के नाम पर संबंधित लोगों से धनराशि तथा अन्य अनुचित लाभ की मांग की जाती थी। मांग पूरी न होने पर मुकदमे को आगे बढ़ाने और कानूनी कार्रवाई का दबाव बनाया जाता था।

सामने आया कि मुख्य आरोपी और उसके सहयोगियों द्वारा अलग-अलग स्थानों पर लोगों पर दबाव बनाकर कथित रूप से अनुचित आर्थिक लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से मुकदमे दर्ज कराने की गतिविधियां की जाती थीं। मुख्य आरोपी पर पहले से कई मुकदमे पुलिस के अनुसार गिरफ्तार मुख्य आरोपी जुल्फेकार उर्फ बब्बूलंगड़ा के खिलाफ बिजनौर सहित अन्य थानों में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। इनमें कोतवाली शहर बिजनौर और किरतपुर थाने के मुकदमे शामिल हैं। पुलिस ने उसके पूर्व आपराधिक इतिहास में गंभीर धाराओं से संबंधित मुकदमों का भी उल्लेख किया है पांच आरोपी गिरफ्तार कोतवाली शहर पुलिस ने सात सितंबर को कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिसमें जुल्फेकार उर्फ बब्बू लंगड़ा, पुत्र अय्यब, निवासी चांदपुर चुंगी, जंगली कालोनी, थाना कोतवाली शहर, बिजनौर। अफजाल, पुत्र कुर्बान, निवासी भागुवाला, थाना मंडावली, बिजनौर। गुड्डू, पत्नी मुलचंद, निवासी

किसानों की भूमि अधिग्रहण समेत विभिन्न समस्याओं को लेकर भाकियू अराजनैतिक ने सौंपा ज्ञापन



सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) मंडल प्रयागराज के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मंडलायुक्त प्रयागराज डॉ. लोकेश एम. तथा जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा को ज्ञापन सौंपा। मंडल अध्यक्ष बबलू दूबे के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने तहसील सोरांव अंतर्गत ग्राम टिकरी, गंगागंज और मूसैऊ में आवास विकास परिषद एवं यूपीडी द्वारा किए जा रहे भूमि अधिग्रहण का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई को लेकर किसानों के हितों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने मामले की जांच कर किसानों को उचित न्याय दिलाने की मांग की। इसके अलावा फतेहपुर जनपद के सतनरैनी रेलवे स्टेशन के अंडरपास के नीचे से होकर गुजर रही विद्युत केबल से संबंधित समस्या को लेकर भी मंडलायुक्त को ज्ञापन दिया गया।

प्रतिनिधिमंडल ने चकबंदी अधिकारियों द्वारा तहसील सोरांव क्षेत्र में बेदखल किए गए किसानों के नाम खतौनी में दर्ज किए जाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को भी ज्ञापन सौंपा। किसान नेताओं ने कहा कि किसानों के भूमि संबंधी मामलों का शीघ्र निस्तारण किया जाना चाहिए। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मंडलायुक्त को मुख्यमंत्री की प्रतिमा भेंट की। साथ ही प्रयागराज मंडल के सभी जिलों से संबंधित किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए मंडलायुक्त की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित करने की मांग की गई। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के मंडल अध्यक्ष बबलू दूबे के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल में मंडल सचिव राजेंद्र कुमार, गणू पासी, युवा किसान नेता अभिषेक पांडेय, युवा गंगापर महामंत्री आदित्य वर्मा, युवा गंगापर अध्यक्ष मिथिलेश मौर्य, सचिन सहित कई किसान पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दहेज हत्या में वांछित महिला समेत दो गिरफ्तार



सबसे तेज प्रयागराज नवाबगंज। तीन दिन पहले नवाबगंज थाना क्षेत्र के एक विवाहिता को दहेज के लिए मौत के घाट उतारने वाली महिला समेत दो आरोपी को सोमवार गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक नवाबगंज पंकज अवस्थी ने बताया कि क्षेत्र में वांछित चल आरोपी की तलाश में मुखबिर की सूचना पर डी0पी0 एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त सुरेश पुत्र स्व0 राम अभिलाष निवासी श्रृंखेपुर उपरहार बरेज थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज व अभियुक्ता मूरत देवी पत्नी स्व0 राम अभिलाष निवासी श्रृंखेपुर उपरहार बरेज थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना नवाबगंज क्षेत्रान्तर्गत ग्राम श्रृंखेपुर उपरहार बरेज के पास से गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

पुलिस मुख्यालय पर अधिवक्ताओं ने किया प्रदर्शन

हमलावरों की गिरफ्तारी न होने पर फूटा गुस्सा, पुलिस आयुक्त के आश्वासन पर करीब एक घंटे बाद खतम हुआ धरना



सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। सिविल लाईंस में अधिवक्ता से मारपीट के मामले में एफआईआर दर्ज होने के बावजूद आरोपितों की गिरफ्तारी न होने से सोमवार को अधिवक्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। दर्जनों अधिवक्ता लामबंद होकर पुलिस मुख्यालय पहुंचे और धरना-प्रदर्शन किया। पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए हमलावरों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की गई। करीब एक घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद पुलिस आयुक्त पीयूष मोदीया ने निष्पक्ष और नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन देकर धरना समाप्त कराया।

प्रधान महालोखाकर कार्यालय के पास स्थित एक होटल में दो सितंबर की रात अधिवक्ता विष्णु पांडेय खाना खाने गए थे। आरोप है कि खाना खराब होने की शिकायत करने पर होटल संचालक और उसके कर्मचारियों ने उनके साथ मारपीट की। घटना का वीडियो भी इंटरनेट मोदीया पर प्रसारित हुआ था। घटना के विरोध में तीन सितंबर को अधिवक्ताओं ने एकलव्य चौराहे पर चक्काजाम किया था। करीब चार-पांच घंटे तक चले चक्काजाम के बाद सिविल लाईंस पुलिस ने होटल संचालक और उसके कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। हालांकि, इसके बाद भी आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं होने से अधिवक्ताओं में आक्रोश बढ़ गया।

प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि हमलावर रसूखदार हैं, इसी वजह से पुलिस कार्रवाई में होलाहवाली कर रही है। उन्होंने तत्काल सभी आरोपितों को गिरफ्तार करने की मांग की। पुलिस आयुक्त पीयूष मोदीया ने अधिवक्ताओं को भरोसा दिलाया कि मामले में किसी तरह का पक्षपात नहीं होगा और नियमानुसार निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद अधिवक्ता शांत हुए और धरना समाप्त कर दिया।

और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन पार्टी के प्रदेश महासचिव गुलाब चंद मौर्य ने किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विद्रोही धनपतराम मौर्य, राष्ट्रीय महासचिव किसान मोर्चा सत्येंद्र मौर्य तथा शिवम मौर्य सम्राट योद्धा समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति को पार्टी नेतृत्व ने उत्साहजनक बताया।

हाईकोर्ट में बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के सदस्य के खिलाफ दाखिल कन्टेस्ट याचिका मे पारित हुआ सख्त आदेश

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। हाईकोर्ट में बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के सदस्य के खिलाफ दाखिल कन्टेस्ट याचिका मे पारित हुआ सख्त आदेश। मामला आजमगढ़ मण्डल के अन्तर्गत बलिया जिले के रसड़ा तहसील के राजस्व सम्बंधित वाद में मा उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने पूर्व में दाखिल याचिका में परमादेश जारी करते हुए राजस्व वाद को समय बध्द दो माह के अन्दर सुनवाई कर आदेश पारित करने का निर्देश दिया था परन्तु मा उच्च न्यायालय के आदेश को समय से न मानने पर याची ने मा उच्च न्यायालय मे राजस्व परिषद् के वाद के सुनवाई कर रहे नामित सदस्य के खिलाफ कैन्टेस्ट याचिका हाईकोर्ट के अधिवक्ता लक्ष्मण प्रसाद ओझा अचिन एवं प्रवीण कुमार मिश्र के जरिए दाखिल कराया मा उच्च न्यायालय इलाहाबाद की एकल खण्ड पीठ के समक्ष अधिवक्ता एल पी ओझा अचिन ने बहस करते हुए कोर्ट के द्वारा पारित पूर्व आदेश का अनुपालन प्रतिवादी द्वारा न किए जाने का तथ्य बताया जिस तथ्य को संज्ञान मे लेते हुए कोर्ट ने नोटिस जारी करते हुए लम्बित राजस्व वाद को छः सप्ताह के अन्दर सुनवाई पूर्ण कर आदेश देने का आदेश पारित किया । उपरोक्त आदेश अधिवक्ता एल पी ओझा अचिन के बहस को सुनकर पारित हुआ ।

डीएम की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के संबंध में बैठक संपन्न

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज । डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में नगरीय सेवायें एवं अवस्थापना विकास परियोजनाएं (मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना सीएम-वीएनवाई) के वियान्वयन हेतु मानक संचालन प्रक्रिया के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु परियोजना निर्माण समिति द्वारा नगर पंचायत लालगोपालगंज, नगर पंचायत फूलपुर, नगर पंचायत कोविंद, नगर पंचायत भारतगंज, नगर पंचायत सिरसा द्वारा उपलब्ध करायी गयी कार्य योजना पर बैठक सम्पन्न हुयी। उक्त बैठक में अपर जिलाधिकारी (नगर), मुख्य कोषाधिकारी, अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-1, उपरोक्त नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी के साथ नगर पंचायत अध्यक्षों ने भाग लिया। बैठक में जिलाधिकारी ने नगर पंचायतों द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव को शासन द्वारा निर्धारित मानक के अनुरूप प्रेषित किये जाने के निर्देश के साथ नगर पंचायतों की अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु प्रस्ताव भेजे जाने के निर्देश दिये गये।

कुरेशर गांव में अराजकतत्वों ने किया हनुमान मूर्ति खंडित, मचा हड़कंप

हनुमान मूर्ति खंडित करने को लेकर ग्रामीणों में जनाक्रोश, पुलिस जांच में जुटी



सबसे तेज प्रयागराज नवाबगंज। बीती रात को अराजकतत्वों द्वारा हनुमान मंदिर में स्थापित मूर्ति को खंडित किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। यह मामला कुरेशर गांव के समीप पंडित का बाग का होना बताया जा रहा है। हनुमान जी की मूर्ति खंडित किए जाने की खबर जैसे ही गांव में पहुंची ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पाकर मौके पर डांडी चौकी की पुलिस मौके पर पहुंचकर जानकारी अफसरों को दी। उधर जैसे ही हनुमान मूर्ति खंडित किए जाने की खाकर अफसरों को मिली तो आनन-फानन एसीपी सोरांव श्यामजीत सिंह, नवाबगंज इंसपेक्टर पंकज अवस्थी, डांडी चौकी प्रभारी सूर्य प्रकाश सिंह मयफोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। फिलहाल हनुमान जी की मूर्ति खंडित किए जाने के बाद ग्रामीणों में जनाक्रोश बना हुआ है।

नवाबगंज थाना क्षेत्र कुरेशर गंगा कछर में स्थित पंडित के बाग में पुराना हनुमान जी की मंदिर स्थित है। बताया जाता है कि बीती रात को अज्ञात अराजकतत्वों द्वारा मंदिर में रखी हनुमान मूर्ति को खंडित करते हुए मंदिर से बाहर निकालकर फेंक दिया गया था। जब सोमवार की सुबह बाग की तरफ महेश्वर नाथ दूबे मंदिर के पास पहुंचे तो हनुमान जी की मूर्ति खंडित मंदिर के बाहर देखा तो दंग रह गए। वहीं घटना की खबर जैसे ही गांव में पहुंची तो ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। उधर जानकारी पाकर नवाबगंज डांडी चौकी प्रभारी सूर्य प्रकाश सिंह मयफोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। जिसके बाद हनुमान जी की खंडित मूर्ति देखकर जानकारी नवाबगंज पुलिस एवं उच्चाधिकारियों को मिली तो आनन-फानन मौके पर एसीपी सोरांव श्यामजीत, नवाबगंज थाना प्रभारी पंकज अवस्थी भी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। फिलहाल घटना को लेकर लोगों में जनाक्रोश बना हुआ है। वहीं पुलिस अफसरों की मांगें तो मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच पड़ताल शुरू कर दी जाई है। जो भी अराजकता की है उनके खिलाफ कठोरतमक कार्रवाई की जाये की बात कही है।

गोवध में 3 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, 3 चापड़, 2 लकड़ी का ठिहा, गौवंश खाल व मांस रूपया बरामद

राम सिंह यादव सबसे तेज प्रयागराज हंडिया ।पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया के कुशल नेतृत्व में गंगानगर जोन के थाना हण्डिया पर पंजीकृत गोवध निवारण अधिनियम से सम्बंधित वांछित अभियुक्त सागर शुक्ला उर्फ छोटे पुत्र स्व0 श्याम बिहारी पुलिस टीम द्वारा सोमवार को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बजहा मिश्रान के पास से शुक्ला पुत्री स्व0 श्यामबिहारी शुक्ला निवासीगण ग्राम बजहा मिश्रान थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा सोमवार को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बजहा मिश्रान के पास से



शुक्ला पुत्री स्व0 श्यामबिहारी शुक्ला निवासीगण ग्राम बजहा मिश्रान थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा सोमवार को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बजहा मिश्रान के पास से

गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा-4/25 अर्म्स एक्ट की बढोत्तरी कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । नामदज अभियुक्त रज्जन शुक्ला व अंकित शुक्ला पुत्रगण स्व0 श्याम बिहारी शुक्ला निवासी ग्राम बजहा मिश्रान थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज की गिरफ्तारी शेष है । **गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम** व0उ0नि0 मनोज कुमार सिंह, चौकी प्रभारी सैदाबाद गौरव तिवारी, उ0नि0 विनय सिंह राठौर. म0उ0नि0 सुधी वर्मा, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर 55.56 लीटर अवैध शराब बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। जीआरपी प्रयागराज ने अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रेलवे स्टेशन से दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से करीब 55.56 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 60 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, सोमवार 7 सितंबर 2026 को प्रयागराज रेलवे स्टेशन के एफओबी नंबर-1 के प्लेटफार्म संख्या 4/5 पर उतरने वाले रैप के पास सुबह करीब 10:35 बजे चैकिंग के दौरान दो संदिग्ध युवकों को पकड़ा गया। उनकी पहचान औसर कुमार यादव (28) और रजनीश कुमार यादव (22), दोनों निवासी सम्मतपुर, थाना सालीमपुर, जिला पटना, बिहार के रूप में हुई।



तलाशी के दौरान औसर कुमार यादव के पास से ब्लेंडर ग्राइड ब्लू और स्मिरनॉफ मिंटी जामुन की 750 मिलीलीटर की 10-10 बोतलें तथा रॉयल स्टेग की 750 मिलीलीटर की 10 बोतलें बरामद हुईं। वहीं रजनीश कुमार यादव के पास से ऑफिसर्स च्वाइस के 142 टेड्र चैक (180 मिलीलीटर प्रत्येक) और मैजिक मोमेंट की 750 मिलीलीटर की 10 बोतलें बरामद की गईं। बरामद शराब पर 'FOR SALE IN UTTAR

फाफामऊ में चंद्रशेखर आजाद सेतु के समानांतर बनेगा नया पुल

हनुमान प्रसाद शुक्ल प्रयागराज। शहर उत्तरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक हर्ष वर्धन बाजेपई ने सोमवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर प्रयागराज के फाफामऊ स्थित चंद्रशेखर आजाद सेतु के समानांतर एक और सेतु के निर्माण का प्रस्ताव रखा। विधायक ने केंद्रीय मंत्री के समक्ष प्रस्ताव रखते हुए बताया कि मौजूदा पुल पर यातायात का दबाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में समानांतर नए पुल का निर्माण होने से आवागमन को सुगम बनाने के साथ ही जाम की समस्या से भी राहत मिलने की उम्मीद है।



कि मुलाकात के दौरान उन्होंने प्रयागराज की बढ़ती यातायात आवश्यकताओं और फाफामऊ क्षेत्र में बेहतर कनेक्टिविटी की जरूरत को

लेकर केंद्रीय मंत्री का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने चंद्रशेखर आजाद सेतु के समानांतर एक अतिरिक्त पुल के निर्माण को शहर के यातायात ढांचे के

हंडिया में अपनी जनता पार्टी की कार्यकर्ता समीक्षा बैठक संपन्न 30 सितंबर तक संगठनात्मक कार्य पूरा करने का लिया संकल्प

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। अपनी जनता पार्टी की जनपद प्रयागराज गंगापार के हंडिया विधानसभा क्षेत्र की कार्यकर्ता समीक्षा बैठक रिविवार को गेना इंटर कॉलेज, कुकुढ़ा में संपन्न हुई। बैठक में पार्टी के संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्यक्रमों और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपनी जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष कोरी सुभाष



चंद्र लहरी रहे। उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने तथा कार्यकर्ताओं को आपसी समन्वय के साथ सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की मजबूती उसके कार्यकर्ताओं की सक्रियता और बूथ स्तर पर संगठन की पकड़ से तय होती है। बैठक में जिला अध्यक्ष एलबी

पटेल, जिला महासचिव वकील अहमद, जिला संगठन सचिव बनारसी लाल मौर्य, जिला उपाध्यक्ष हरिराम मौर्य एवं मयंकेश्वर लाल, राजेंद्र पासी जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा तथा हंडिया विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष अजीत मौर्य सहित विधानसभा कमेटी, सेक्टर एवं बूथ कमेटियों के पदाधिकारी

संपादकीय

लंबित मामले और सर्वोच्च न्यायालय की ऐतिहासिक पहल

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्वतंत्र न्यायपालिका मानी जाती है। संविधान ने प्रत्येक नागरिक को समान न्याय का अधिकार दिया है, लेकिन आज वास्तविक चुनौती न्याय के अधिकार से अधिक समय पर न्याय मिलने की है। देश की जिला और अधीनस्थ अदालतों में 5.18 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। यह केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि उन करोड़ों परिवारों की पीड़ा है जो वर्षों तक अदालतों के चक्कर लगाते हुए अपनी आशा, समय और धन गंवाते रहते हैं। न्यायशास्त्र की प्रसिद्ध उक्ति है कि न्याय में देरी वास्तव में न्याय से वंचित करने के समान है। इसी गंभीर स्थिति को देखते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने जिला न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है, जिसका उद्देश्य अनुभवी न्यायाधीशों को न्याय व्यवस्था में बनाए रखना और मुकदमों के निपटारे की गति बढ़ाना है।

सर्वोच्च न्यायालय की विशेष पीठ ने सात राज्यों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे दो महीने के भीतर अपने सेवा नियमों में संशोधन कर जिला न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष करें। इन राज्यों में छत्तीसगढ़, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, सिक्किम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। यह निर्णय स्वतः सभी अधिकारियों पर लागू नहीं होगा। प्रत्येक न्यायिक अधिकारी की कार्यक्षमता, ईमानदारी और सेवा अभिलेख का मूल्यांकन संबंधित उच्च न्यायालय करेगा। केवल वही अधिकारी अतिरिक्त दो वर्ष की सेवा के पात्र होंगे जिनका प्रदर्शन उत्कृष्ट पाया जाएगा। इस प्रकार न्यायालय ने अनुभव और गुणवत्ता दोनों के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया है।

इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष उन न्यायिक अधिकारियों से जुड़ा है जो 31 मार्च 2026 या उसके बाद सेवानिवृत्त हुए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें पुनः सेवा में लौटने का अवसर देने का मार्ग भी प्रशस्त किया है, बशर्ते उन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद कोई अन्य लाभकारी पद स्वीकार न किया हो। इसका अर्थ यह है कि हाल ही में सेवा छोड़ चुके अनेक अनुभवी न्यायाधीश फिर से अदालतों में न्याय वितरण की प्रक्रिया का हिस्सा बन सकेंगे। न्यायपालिका के लिए यह अनुभव की वापसी है और आम नागरिक के लिए त्वरित न्याय की नई आशा। भारत की न्यायिक व्यवस्था में जिला अदालतों का महत्व अत्यंत व्यापक है। देश के अधिकांश नागरिकों का पहला संपर्क इन्हीं अदालतों से होता है। हत्या, बलात्कार, संपत्ति विवाद, पारिवारिक मुकदमों, उत्तराधिकार, व्यापारिक अनुबंध और भूमि संबंधी अधिकांश मामलों की सुनवाई जिला स्तर से प्रारंभ होती है। जब कोई न्यायाधीश लगभग तीन दशकों तक न्यायिक सेवा देता है, तब उसके पास केवल कानून का ज्ञान ही नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं, सामाजिक परिस्थितियों और जटिल साक्ष्यों को समझने की अद्भुत क्षमता भी विकसित हो जाती है। ऐसे अधिकारी को 60 वर्ष की आयु में अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त कर देना न्यायपालिका के लिए अनुभव की बड़ी क्षति माना गया है।

वर्तमान व्यवस्था में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश 65 वर्ष तथा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश 62 वर्ष तक सेवा देते हैं। इसके विपरीत अधिकांश राज्यों में जिला न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु 60 वर्ष रही है। यह अंतर लंबे समय से बहस का विषय था। सर्वोच्च न्यायालय का मत है कि जब जिला न्यायपालिका ही न्यायिक व्यवस्था की नींव है, तब उसके अनुभवी अधिकारियों को भी उच्च न्यायालय के समान 62 वर्ष तक सेवा देने का अवसर मिलना चाहिए। यह कदम न्यायिक पदानुक्रम की गरिमा बनाए रखते हुए व्यावहारिक आवश्यकता को स्वीकार करता है। हालांकि इस सुधार पर सभी राज्यों की सहमति नहीं बन सकी है। कई राज्यों ने वित्तीय बोझ और प्रशासनिक समानता का तर्क प्रस्तुत किया है। उनका कहना है कि यदि न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाई जाती है, तो अन्य सरकारी कर्मचारी भी समान मांग करेंगे, जिससे राज्यों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ेगा। यह तर्क पहली दृष्टि में उचित प्रतीत हो सकता है, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने इसका विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए इसे स्वीकार नहीं किया।

क्या प्रयोगशालाओं में जल्द ही उगाए जा सकेंगे इंसानी अंग?



डॉ. विजय गर्ग

एक ऐसे भविष्य की कल्पना कीजिए, जहाँ किडनी, लिवर, हृदय या किसी अन्य महत्वपूर्ण अंग की प्रतीक्षा कर रहे मरीजों को पूरी तरह मानव अंगदाताओं पर निर्भर न रहना पड़े। वैज्ञानिक एक अद्भुत संभावना की दिशा में काम कर रहे हैं—प्रयोगशालाओं में मानव ऊतकों और अंगों को विकसित करने की।

स्टेम सेल, टिश्यू इंजीनियरिंग और 3डी बायोप्रिंटिंग जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग करके वैज्ञानिक जीवित ऊतकों को तैयार करने के तरीके खोज रहे हैं, जो एक दिन क्षतिग्रस्त अंगों का स्थान ले सकते हैं। स्टेम सेल शरीर की विभिन्न प्रकार की कोशिकाओं में विकसित हो सकते हैं, जबकि विशेष रूप से तैयार की गई सामग्री एक ऐसा ढाँचा प्रदान करती है, जिस पर ये कोशिकाएँ बढ़कर ऊतकों का निर्माण कर सकती हैं।

वैज्ञानिक शोध के लिए सरल ऊतकों और अंगों के छोटे रूप विकसित करने में पहले ही महत्वपूर्ण प्रगति कर चुके हैं। प्रयोगशाला में विकसित ये ऊतक डॉक्टरों को बीमारियों को बेहतर ढंग से समझने और नई दवाओं का परीक्षण करने में भी मदद कर सकते हैं। हालाँकि पूरी तरह कार्यशील और प्रत्यारोपण योग्य मानव अंगों को विकसित करना अभी भी एक बड़ी वैज्ञानिक चुनौती है, लेकिन अब तक की प्रगति उत्साहजनक है। भविष्य में प्रयोगशाला में उगाए गए अंग अंगदाताओं की कमी को कम कर सकते हैं और अंग प्रत्यारोपणों को अधिक सुरक्षित तथा अधिक लोगों के लिए सुलभ बना सकते हैं। जो कभी विज्ञान-कथा जैसा लगता था, वह धीरे-धीरे वास्तविकता बन सकता है। एक दिन प्रयोगशाला के कवल ज्ञान का केंद्र ही नहीं होगी, बल्कि मानव जीवन के लिए नए अंग और नई उम्मीदें पैदा करने का स्थान भी बन सकती है।

कानून कठोर लेकिन बेटियां अब भी असुरक्षित क्यों?

योगेश कुमार गोयल

दिल्ली-एनसीआर में एक स्लीपर बस के भीतर 16 वर्षीय छात्रा के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना हमारी सुरक्षा-व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन की निगरानी, पुलिसिंग और सामाजिक चेतना, चारों की एक साथ विफलता का आईना है। 4 अगस्त की रात ग्रेटर नोएडा के परी चौक से एक नाबालिग छात्रा को कथित तौर पर गलत जानकारी देकर स्लीपर बस में बैठाया गया और कश्मीरी गेट तक चालक तथा परिचालक पर उसके साथ यौन हिंसा करने का आरोप है। लगभग 47 किलोमीटर के इस सफर के बाद उसे कश्मीरी गेट के निकट रिंग रोड पर छोड़ दिया गया। इस घटना की सबसे भयावह बात केवल अपराध की क़तरा नहीं बल्कि वह पूरा सुरक्षा-शून्य है, जिसमें यह अपराध संभव हुआ। एक नाबालिग लड़की रात में एक अनजान बस में बैठती है, बस लंबी दूरी तय करती है, उसके भीतर अपराध होता है और रास्ते में किसी स्तर पर ऐसी प्रभावी निगरानी नहीं हो पाती, जो इस अपराध को रोक सके। रिपोर्टों के अनुसार बस में पढ़ें लगे थे और सीसीटीवी की उपलब्धता को लेकर भी गंभीर सवाल सामने आए हैं। यदि सार्वजनिक परिवहन के किसी वाहन का अंदरूनी हिस्सा इस तरह बाहरी निगरानी से लगभग कट जाए, कि उसमें बैठे यात्रियों की सुरक्षा ही संदिग्ध हो जाए तो ऐसे वाहनों को सड़कों पर चलने की अनुमति देने वाली व्यवस्था से जवाब मांगना स्वाभाविक है।

यहां एक और असहज सवाल है कि घटना 4 अगस्त की बताई जा रही है लेकिन पुलिस ने इसकी जानकारी 31 अगस्त को सार्वजनिक की। इतने लंबे अंतराल



में क्या हुआ? क्या जांच की गोपनीयता इसका कारण थी? क्या पीड़िता की निजता और सुरक्षा के कारण जानकारी सीमित रखी गई? या फिर किसी प्रशासनिक स्तर पर सूचना प्रबंधन में चूक हुई? इन प्रश्नों का स्पष्ट और विश्वसनीय उत्तर सार्वजनिक होना चाहिए क्योंकि अपराध की गंभीरता के साथ-साथ पुलिस की जवाबदेही भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा है। यह जरूर उल्लेखनीय है कि शिकायत मिलने के बाद कश्मीरी गेट पुलिस ने कार्रवाई की, सीसीटीवी के जरिए बस की पहचान की और आरोपित चालक-परिचालक को गिरफ्तार किया, बस भी बरामद कर ली गई यानी अपराध के बाद पुलिस की जांच क्षमता पर सवाल उठाने से पहले यह भी स्वीकार करना होगा कि अपराधियों तक पहुंचने में तकनीकी निगरानी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन असली कसौटी गिरफ्तारी के बाद शुरू होती है। पुलिस का काम केवल अपराध होने के बाद अपराधी पकड़ना नहीं है, आधुनिक पुलिसिंग का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य अपराध होने से पहले उसे रोकना है। यदि

सीसीटीवी अपराध के बाद बस का पता लगा सकता है तो सवाल यह है कि वही तकनीक संदिग्ध गतिविधि को पहले क्यों नहीं पकड़ सकी? निर्भया कांड के बाद देश ने यही माना था कि अब व्यवस्था बदलेगी। दिसंबर 2012 में 23 वर्षीय युवती के साथ चलती बस में हुई बर्बरता ने पूरे देश को आंदोलित किया। कानून कठोर हुए, यौन अपराधों की कानूनी परिभाषाएं विस्तृत हुईं, नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराधों के लिए अलग कानूनी ढांचा मजबूत हुआ और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा के सवाल को राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बनाया गया। निर्भया मामले के चार दोषियों को 2020 में फांसी दी गई लेकिन 13 वर्ष बाद यदि एक नाबालिग लड़की फिर चलती बस में ऐसी ही दरिंदगी का शिकार होती है तो यह सवाल पूछना जरूरी है कि हमने कानून तो बदल दिए लेकिन व्यवस्था किन्ती बदली? कानून की कठोरता जरूरी है लेकिन कानून का डर केवल सजा की कठोरता से पैदा नहीं होता। अपराधी के मन में सबसे बड़ा भय पकड़े जाने की निश्चिंतता का होता

है। यदि उसे लगता है कि वह रात के अंधेरे में, सुनसान रास्ते पर, निगरानी से बाहर किसी वाहन में अपराध कर सकता है और उसे रोकने वाला कोई नहीं होगा तो कानून की किताब में लिखी कठोरतम सजा भी तत्काल निवारक शक्ति नहीं बन पाती। इसलिए चुनौती केवल कठोर कानून की नहीं, निश्चित निगरानी, त्वरित गिरफ्तारी और समयबद्ध न्याय की है।

दिल्ली और नोएडा पुलिस के बीच घटना को लेकर सामने आए कथित विरोधाभास भी चिंता बढ़ाते हैं। दिल्ली-एनसीआर आज एक ऐसा महानगरीय क्षेत्र है, जहां शहरों की सीमाएं आम नागरिक के लिए लगभग अदृश्य हैं लेकिन अपराध होने पर वही सीमाएं पुलिस के अधिकार क्षेत्र का प्रश्न बन जाती हैं। यदि कोई लड़की नोएडा में बस में चढ़ती है, दिल्ली की ओर आती है और दिल्ली में उतारी जाती है तो पुलिस की विभिन्न इकाइयों के बीच वास्तविक समय में समन्वय क्यों नहीं हो सकता? इस घटना का एक और पहलू सार्वजनिक परिवहन की जवाबदेही से जुड़ा है। स्लीपर बसों में पढ़ों का इस्तेमाल, वाहन के

बंगाल में भारतीय शिक्षा-दृष्टि को बल देने की अनुकरणीय घोषणा

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल में शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख शैक्षणिक प्रकल्प विद्या भारती के कम से कम एक हजार नए विद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की घोषणा नहीं है, बल्कि इसे राज्य की शिक्षा-दृष्टि में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। 4 सितंबर 2026 को सामने आई इस घोषणा के अनुसार अगले एक वर्ष में राज्य के प्रत्येक जिले, नगरपालिका और पंचायत तक विद्या भारती के विद्यालयों का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विद्या भारती से जुड़े 313 विद्यालय संचालित होने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने विद्या भारती के नेतृत्व को राज्य सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इस योजना को आगे बढ़ाने का भी निर्मंत्रण दिया है। यह घोषणा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विद्या भारती आज देश के सबसे बड़े स्वेच्छिक शिक्षा-उपक्रमों में से एक है। विद्या भारती के अपने उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उसका नेटवर्क देशभर में 12,500 से अधिक विद्यालयों तक फैला हुआ है और इनमें 35 लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उसके विद्यालय पूर्व-प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्रदान करते हैं तथा खेल, संगीत, कला, विज्ञान, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे क्षेत्रों को भी शिक्षा



का हिस्सा मानते हैं। हाल के समाचारों में देशभर में 12,000 से अधिक विद्यालयों और लगभग 10,000 बाल संस्कार केंद्रों का उल्लेख भी हुआ है। आंकड़ों में अंतर अलग-अलग वर्षों और संस्थागत गणना-पद्धतियों के कारण हो सकता है, लेकिन इससे विद्या भारती के व्यापक शैक्षिक विस्तार की तस्वीर स्पष्ट होती है। विद्या भारती की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह विद्यालयों की एक बड़ी शृंखला संचालित करती है। उसकी मूल अवधारणा शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, चरित्र, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की है। संस्था स्वयं अपने उद्देश्य में भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभावना, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्रमुखता देती है। ग्रामीण, जनजातीय, सीमावर्ती और अपेक्षाकृत वंचित क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार भी उसके घोषित उद्देश्यों का हिस्सा है। यहीं से पश्चिम बंगाल की नई पहल का व्यापक महत्व सामने आता है। बंगाल भारत की सांस्कृतिक चेतना

का एक अत्यंत समृद्ध केंद्र रहा है। रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, रवींद्रनाथ ठाकुर, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय और अनेक महापुरुषों ने भारतीय चिंतन, शिक्षा, साहित्य और राष्ट्रचेतना को नई दिशा दी। इसलिए बंगाल की शिक्षा व्यवस्था में भारतीय ज्ञान, संस्कृति, मातृभाषा, स्थानीय इतिहास और राष्ट्रीय दायित्व को उचित स्थान देना किसी राजनीतिक आग्रह से अधिक व्यापक सांस्कृतिक आवश्यकता के रूप में देखा जा सकता है।

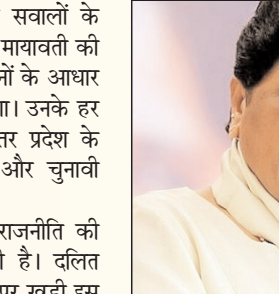
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रावधान करती है। नीति का उद्देश्य विद्यार्थी में भारतीय होने के प्रति गहरी आत्मगौरव भावना विकसित करने के साथ ज्ञान, कौशल, मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता का विकास करना है। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा से जोड़ने की बात करती है। इसमें भारतीय ज्ञान प्रणालियों, जनजातीय ज्ञान, पारंपरिक सीखने की पद्धतियों, योग, दर्शन, साहित्य, कृषि, वास्तुकला,

चिकित्सा, खेल और अन्य भारतीय योगदानों को वैज्ञानिक एवं प्रामाणिक ढंग से पाठ्यक्रम में स्थान देने की बात कही गई है। नीति यह भी कहती है कि पाठ्यचर्या भारतीय और स्थानीय संदर्भ, संस्कृति, परंपरा, भाषा, भूगोल तथा ज्ञान-परंपराओं से जुड़ी होनी चाहिए। इस दृष्टि से देखें तो विद्या भारती का शैक्षिक प्रयोग और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनेक लक्ष्य एक-दूसरे के पूरक दिखाई देते हैं। अंतर यह है कि नीति एक राष्ट्रीय नीति-ढांचा उपलब्ध कराती है, जबकि विद्या भारती जैसा सामाजिक संगठन लंबे समय से विद्यालय स्तर पर मूल्याधारित शिक्षा का अपना प्रयोग करता आया है। इसलिए यदि पश्चिम बंगाल सरकार इस विस्तार को गुणवत्तापूर्ण शिक्षक प्रशिक्षण, आधुनिक विज्ञान, तकनीक, डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और संवैधानिक मूल्यों के साथ जोड़ती है तो इसका प्रभाव केवल नए विद्यालय खोलने तक सीमित नहीं रहेगा। विद्यालय खोलना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन अच्छे शिक्षक, प्रशिक्षित प्रधानाचार्य, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, खेल सुविधाएं, डिजिटल संसाधन और गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना कहीं अधिक कठिन काम है। इसलिए इस पहल की सफलता संख्या से नहीं, शिक्षा की गुणवत्ता से मापी जानी चाहिए। यदि नए विद्यालय केवल भवन बनकर रह गए तो लक्ष्य अधूरा होगा; यदि वे अच्छे शिक्षक और अच्छे नागरिक बनाने के केंद्र बनते हैं, तभी यह पहल ऐतिहासिक सिद्ध होगी।

क्या मायावती फिर बन सकती हैं किंगमेकर ?

उत्तर प्रदेश की राजनीति में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट भले अभी दूर दिखाई देती हो, लेकिन राजनीतिक दलों की गतिविधियां संकेत दे रही हैं कि चुनावी बिसात विछनी शुरू हो चुकी है। सत्तारूढ़ भाजपा, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी समेत तमाम दल अपने-अपने सामाजिक और राजनीतिक समीकरण साधने में जुट गए हैं। इस बदलते राजनीतिक परिदृश्य में बसपा सुप्रमोे मायावती की सक्रियता और उनके लगातार सामने आ रहे बयान खासे महत्वपूर्ण हो गए हैं। मायावती का यह स्पष्ट संकेत कि बसपा आमामी विधानसभा चुनाव अपने दम पर लड़ेगी, उत्तर प्रदेश की राजनीति में कई सवाल खड़े करता है। क्या यह केवल पार्टी की स्वतंत्र पहचान बचाने की कोशिश है या इसके पीछे कोई बड़ी चुनावी रणनीति है? क्या मायावती अपने पुराने दलित जनाधार को फिर से एकजुट कर सकती हैं? और सबसे बड़ा सवाल—क्या बसपा सत्ता में वापसी भले न कर पाए, लेकिन चुनाव परिणामों को प्रभावित कर एक बार फिर हॉकिंगमेकरज की

भूमिका में आ सकती है?इन सवालों के जवाब आसान नहीं हैं, लेकिन मायावती के राजनीति को केवल उनके बयानों के आधार पर समझना भी उचित नहीं होगा। उनके हर राजनीतिक कदम के पीछे उत्तर प्रदेश के जटिल सामाजिक समीकरण और चुनावी गणित को समझना जरूरी है। बसपा कभी उत्तर प्रदेश की राजनीति की सबसे मजबूत ताकतों में रही है। दलित मतदाताओं के मजबूत आधार पर खड़ी इस पार्टी ने समय के साथ अपनी रणनीति का विस्तार किया और ह्रासवर्जन हिलाय, सर्वजन सुखायज के नारे के साथ दलित-ब्राह्मण सहित विभिन्न सामाजिक वर्गों को जोड़? का सफल प्रयोग किया। इसी सामाजिक इंजीनियरिंग के सहारे मायावती ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। लेकिन पिछले एक दशक में बसपा की राजनीति प्रभाव लगातार कमजोर हुआ है। 2022 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी अपने पुराने प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकी। यही वजह है कि 2027 का विधानसभा चुनाव मायावती के लिए सामान्य



चुनाव नहीं, बल्कि बसपा के राजनीतिक प्रभाव को पुनर्जीवित करने की निर्णायक परीक्षा है। अकेले चुनाव लड़? का निर्णय इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। गठबंधन की राजनीति के अनुभवों से मायावती कई बार असंतोष जाहिर कर चुकी हैं। बसपा नेतृत्व में सत्ता यह भी है कि गठबंधन की स्थिति में उसका मूल मतदाता दूसरे दलों की ओर खिसक सकता है। स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़? पर पार्टी अपने उम्मीदवारों, अपने चुनाव चिन्ह और अपने मुद्दों के साथ मतदाताओं तक पहुंच सकती है।

हालांकि यह रणनीति जोखिम से भी भरी हुई है। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में कुछ प्रतिशत वोटों का अंतर दर्जनों सीटों के परिणाम बदल सकता है। यदि बसपा अपने पारंपरिक दलित वोट बैंक को पर्याप्त रूप से अपने साथ बनाए रखने में सफल होती है, तो कई विधानसभा क्षेत्रों में वह भाजपा और सपा के बीच मुकाबले को त्रिकोणीय बना सकती है। यही वह बिंदु है जहां मायावती की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। बसपा यदि सत्ता की दौड़ में सीधे तौर पर आगे नहीं भी आती, लेकिन पर्याप्त सीटों पर मजबूत प्रदर्शन करती है तो सरकार बनाने की स्थिति में उसका समर्थन या विरोध निर्णायक हो सकता है। ऐसी स्थिति में मायावती फिर से हॉकिंगमेकरज की भूमिका में दिखाई दे सकती हैं लेकिन इसके लिए सबसे पहले उन्हें अपने पुराने जनाधार को बचाव देना होगा। बसपा की सबसे बड़ी राजनीतिक चुनौती दलित मतदाताओं के बीच अपने प्रभाव को पुनर्जीवित करना है। दलित समाज अब पहले जैसा एकरूप राजनीतिक सहृद नहीं है। नई पीढ़ी के मतदाताओं की प्राथमिकताएं

भीतर निगरानी, यात्रियों की पहचान, ड्राइवर-परिचालक का सत्यापन, निर्धारित मार्ग से विचलन, रात में अकेले या नाबालिग यात्रियों की सुरक्षा, इन सभी बिंदुओं पर नियम होने भर से काम नहीं चलेगा। नियमों का वास्तविक अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। परिवहन विभाग, पुलिस और बस संचालकों की संयुक्त जवाबदेही तय करनी होगी। ऐसी बसों का नियमित सुरक्षा ऑडिट हो, सीसीटीवी और आपातकालीन तथ्या प्रणाली अनिवार्य रूप से काम करें, चालक-परिचालक का सत्यापन हो और उल्लंघन पर केवल जुमाना नहीं, परमिट और संचालन अधिकार पर भी कठोर कार्रवाई हो।

हालांकि हम इस घटना को केवल पुलिस की विफलता कटकर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। एक ओर 16 वर्ष की बच्ची रात में अकेले यात्रा करते हुए अपराधियों के निशाने पर आ जाती है और दूसरी ओर उम्रदराज महिलाएं अपने ही परिवारों द्वारा छोड़ दी जाती हैं। प्रश्न केवल कानून का नहीं है, प्रश्न उस सामाजिक मानस का है, जिसमें कमजोर व्यक्ति सबसे आसान लक्ष्य बन जाता है। जब परिवार में संवेदना कमजोर होती है, जब शक्ति को सम्मान और अपराधी प्रवृत्ति को प्रभाव समझा जाने लगता है, जब धन और बाहुबल सामाजिक प्रतिष्ठा का आधार बनने लगते हैं, तब कानून अकेला समाज को नहीं बचा सकता। हमारी सबसे बड़ी विडंबना यह है कि अपराध के बाद राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो जाती है। विपक्ष सरकार को घेरता है, सत्ता पक्ष गिरफ्तारी को अपनी उपलब्धि

वर्तमान दौर की सबसे बड़ी महामारी -संस्कारहीन रिश्ते

कृति आरके जैन

वर्तमान समय की सबसे भयावह महामारी अस्पतालों में नहीं, घरों के भीतर पल रही है। इसका न कोई परीक्षण है, न तापमान, न कोई चिकित्सकीय रिपोर्ट। यह चुपचाप रिश्तों में उतरती है और उनकी धड़कनें धीमी कर देती है। इसका नाम है—संस्कारहीन रिश्ते। समाचारों की सुर्खियाँ हत्या, तलाक, पारिवारिक कलह और टूटते घर दिखाती हैं, पर उन घटनाओं के पीछे पसरा वह सन्नाटा नहीं दिखाती, जहाँ कभी अपनापन साँस लेता था। असली त्रासदी तब होती है, जब अपने ही लोग एक-दूसरे के लिए अजनबी बन जाते हैं। संस्कार रिश्तों की रखवाली छोड़ दें तो मकान तो खड़े रहते हैं, कमरे भी भरे रहते हैं—बस घर भीतर से वीरान हो जाता है। कभी रिश्ते मिट्टी जैसे थे—नरम, लचीले, एक-दूसरे में घुले हुए। संस्कार वह पानी थे, जो बिखरे कणों को जोड़कर परिवार गढ़ते थे। आज वही मिट्टी सूख रही है। अहंकार एक एक चुभन, स्वार्थ की एक परत और सुविधा की एक आँधी रिश्तों में दरार डाल देती है। हमने संबंधों को भावनाओं से नहीं, फायदे से तोलना शुरू कर दिया है—सुविधा रही तो रिश्ता रहा, सुविधा गई तो अपनापन भी गया। अदालतों के पारिवारिक विवाद और रोज की सुर्खियाँ इसी बिखराव के कण हैं। सवाल यह नहीं कि रिश्ते क्यों टूट रहे हैं; सवाल यह है

बताता है और बहस कुछ दिनों बाद किसी दूसरे मुद्दे में दब जाती है लेकिन पीड़िता का भय, उसका भविष्य और उसके मन पर पड़ा आघात किसी राजनीतिक बयान से समाप्त नहीं होता। महिला सुरक्षा चुनावी नारा नहीं, शासन की बुनियादी कसौटी होनी चाहिए। हमहिलाएं रात में कितनी सुरक्षित हैंहू जैसे सवाल का उत्तर विज्ञापनों या राजनीतिक दावों से नहीं दिया जा सकता। उत्तर सड़कों पर दिखना चाहिए, बसों में दिखना चाहिए, पुलिस की प्रतिक्रिया में दिखना चाहिए और उन व्यवस्थाओं में दिखना चाहिए, जो किसी अकेली लड़की को संकट में पड़ने से पहले सुरक्षा उपलब्ध कराएं। वर्तमान घटना से दिल्ली-एनसीआर के लिए कुछ स्पष्ट सबक निकलते हैं। रात में चलने वाली बसों की अनिवार्य निगरानी हो, सभी स्लीपर बसों में कार्यशील सीसीटीवी और आपातकालीन संचार प्रणाली हो। चालक-परिचालक के पुलिस सत्यापन और प्रशिक्षण को नियमित किया जाए, बस के निर्धारित मार्ग और ठहराव की डिजिटल निगरानी हो, नाबालिग या अकेली महिला यात्री के साथ संदिग्ध स्थिति में चालक दल को विशेष प्रोटोकॉल का पालन करना पड़े, नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली पुलिस के बीच साझा रियल-टाइम निगरानी तंत्र विकसित हो। सबसे महत्वपूर्ण, किसी भी महिला या बच्ची की शिकायत को हृक्षेत्राधिकारहू के नाम पर एक थाने से दूसरे थाने तक न दौड़ाया जाए। निर्भया के बाद हमने बहुत कुछ बहला लेकिन शायद उठाना नहीं, जितना बदलना चाहिए था। कठोर कानून बनाना आसान है लेकिन कानून को जमीन पर उतारना कठिन।

कि उन्हें बाँधने वाला संस्कारों का पानी हमारी हथेलियों से कब रिस गया। आज परिवार एक छत के नीचे रहता है, पर एक-दूसरे के भीतर नहीं उतरता। खाने की मेज पर शालियाँ साथ होती हैं, मोबाइल भी—बस सवाल नहीं होता। बच्चे सवाल लेकर बड़ों तक पहुँचने के बजाय स्क्रीन पर उत्तर खोजते हैं और बुजुर्ग घर में रहकर भी बातचीत से बाहर हो जाते हैं। संस्कार अब व्यवहार में कम, किताबों, भाषणों और त्योहारों की तस्वीरों में अधिक दिखाई देते हैं। फिर किसी दिन खबर आती है—किसी वृद्ध की मृत्यु का पता कई दिनों बाद चला। सुखी कुछ पल ठहरती है, मगर उसके पीछे वर्षों का अकेलापन, दरवाजे पर टिकी आँखें और अपनों के स्पर्श को तरसते हाथ छूट जाते हैं। संस्कार जीवित होते तो बुजुर्ग खबर नहीं बनते—पर की सबसे सुरक्षित छॉव बने रहते।

प्रेम अब अपनापन कम, अपेक्षाओं का हिसाब अधिक बनता जा रहा है। इच्छा पूरी हुई तो मुका नरा, टूटी तो शिकायत; अपेक्षा टूटी तो रिश्ता भी डगमगा गया। कभी एक माफ़ी वर्षों का साथ बचा लेती थी, आज एक संदेश, ब्लॉक या अपनॉलो वर्षों की निकटता मिटा देता है। मतभेद समस्या नहीं, संवाद का इन्तिहान हैं; दुख यह है कि हमने मतभेद के बाद बात करना छोड़ दिया।

अज्ञात व्यक्ति का शव मिला, हत्या की आशंका नोएडा। थाना फेस- वन क्षेत्र के हरौला गांव के पास रविवार की बीती रात को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना फेस वन के थाना प्रभारी धर्मेन्द्र शुक्ला ने बताया कि बीती रात को थाना क्षेत्र के हरौला गांव के पास एक 50 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव पुलिस को मिला है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस आसपास के लोगों और सोशल मीडिया के माध्यम से शव की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चलेगा। वहीं, आसपास के लोग इसे हत्या का मामला बता रहे हैं। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत, एक घायल नोएडा। थाना बादलपुर क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर एक की मौत हो गई। थाना बादलपुर के प्रभारी विजय कुमार गुप्ता ने बताया कि रविवार की बीती रात को करीब एक बजे दो लोग मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहे थे। धूम मानिकपुर गांव के पास अज्ञात वाहन चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए दोनों की बाइक में टक्कर मार दिया। इस घटना में सूरज चौहान (30), विशाल (25) गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर इलाज के दौरान सूरज चौहान की मौत हो गई, जबकि विशाल को गंभीर चोट आई है। उसका उपचार अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ट्रेन की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत नोएडा। थाना सूरजपुर क्षेत्र में रविवार की बीती रात को एक व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सूरजपुर थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि नवीन कुमार (37) बीती रात को थाना सूरजपुर क्षेत्र के तिलपता गांव के पास एक ट्रेन की चपेट में आ गए। इस घटना में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर वहां पहुंची थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि नवीन कुमार ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या किया है या यह घटना दुर्घटनावस हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

समाज को संगठित कर हिंदू धर्म की रक्षा कर रहा विहिप : प्रो आर एन त्रिपाठी

जौनपुर। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) का स्थापना दिवस रविवार को नगर के केदारवीर बाबा मंदिर परिसर में भूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विभिन्न हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बह-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्य वक्ता वीएचयू के समाजशास्त्र के प्रोफेसर डॉ. आरएन सिंह ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद की स्थापना वर्ष 1964 में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर संत समाज के नेतृत्व में हुई थी।

बागपत के खेकड़ा में सड़क हादसा, 4 की मौत, 32 घायल

बागपत (उत्तर प्रदेश) बागपत जिले के खेकड़ा थाना क्षेत्र में सोमवार देररात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 32 लोग घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब राजस्थान से बदायूं जा रहा यात्रियों से भरा वाहन डिवाइडर से टकराकर अनियंत्रित होकर पलट गया। पुलिस के अनुसार, रात करीब 12:30 बजे डायल-112 के माध्यम से दुर्घटना की सूचना मिली। सूचना मिलते ही थाना खेकड़ा



पुलिस, चार पीआरवी वाहनों और एम्बुलेंस टीम के साथ मौके पर

पहुंची और तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को

तत्काल तीन अस्पतालों में पहुंचाया गया। सभी घायल लोग सीएचसी खेकड़ा, सीएचसी बागपत और जिला अस्पताल बागपत में भर्ती है। इनमें से कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। एसपी बागपत सूरज कुमार राय और जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने मौके पर पहुंचे कर घटना की जानकारी ली है सभी घायलों को तुरंत उपचार की सेवा कराई गई है। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-

तफरी का माहौल बन गया, लेकिन पुलिस ने हालात को नियंत्रित करते हुए यातायात को सुचारु रूप से संचालित कराया। साथ ही, मृतकों और घायलों के परिजनों से संपर्क करने का प्रयास जारी है। एसपी बागपत सूरज कुमार राय ने जानकारी दी है कि हादसे में घायल और मृतकों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने के लिए परिजन मोबाइल नंबर 9454417383 पर संपर्क कर सकते हैं। इस हादसे में चार लोगों की अब तक मृत्यु सामने आई है जबकि कई लोग घायल है।

तफरी का माहौल बन गया, लेकिन पुलिस ने हालात को नियंत्रित करते हुए यातायात को सुचारु रूप से संचालित कराया। साथ ही, मृतकों और घायलों के परिजनों से संपर्क करने का प्रयास जारी है। एसपी बागपत सूरज कुमार राय ने जानकारी दी है कि हादसे में घायल और मृतकों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने के लिए परिजन मोबाइल नंबर 9454417383 पर संपर्क कर सकते हैं। इस हादसे में चार लोगों की अब तक मृत्यु सामने आई है जबकि कई लोग घायल है।

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद गोरखपुर में राजघाट स्थित अंत्येष्टि स्थल पर रविवार को गुंबद ढह जाने से घायल दोनों अधिवक्ताओं की इलाज के दौरान देर रात में मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल अधिवक्ता आलोक अस्थाना ने जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया, जबकि अधिवक्ता संजय सिंह की गंभीर हालत में बीआरडी मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान मौत हो गई। दोनों की मौत की खबर से अधिवक्ता समाज में शोक के साथ आक्रोश का माहौल है। हादसे की गंभीरता को देखते हुए

जिलाधिकारी दीपक मीणा ने राजघाट अंत्येष्टि स्थल पर हुए निर्माण कार्य की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने निर्माण कार्यदायी संस्था, संबंधित अधिकारियों और अन्य जिम्मेदार लोगों की भूमिका की जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जांच में यह भी देखा जाएगा कि गुंबद के निर्माण में निर्धारित मानकों का पालन हुआ था या नहीं और कहीं किसी स्तर पर लापरवाही तो नहीं बरती गई।

मलबे की चपेट में आए थे दोनों अधिवक्ता रविवार को बारिश के दौरान राजघाट स्थित अंत्येष्टि स्थल पर आवश्यक सुझाव दिए। निरीक्षण दल में आपरा के डॉ. अमित श्रीवास्तव, सैफई के डॉ. सोमेन्द्र नाथ सिंह, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ के डॉ. अक्षय आनंद तथा संघ के तत्काल पूर्व अध्यक्ष डॉ. निखिल सिंह सहित अन्य वरिष्ठ चिकित्सक शामिल रहे।

गोरखपुर की ओर से आयोजन अध्यक्ष एवं एम्स गोरखपुर के विभागाध्यक्ष डॉ. गौरव गुप्ता, आयोजन सचिव एवं वरिष्ठ शल्य चिकित्सक डॉ. शिव शंकर शाही, डॉ. हरिकेश यादव, डॉ. रवि गुप्ता, डॉ. शाहनवाज, डॉ. रजनीश तथा डॉ. मनीष सहित आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

सहारनपुर मस्जिद ध्वस्तीकरण पर अखिलेश बोले- 12 घंटे में कार्रवाई से न्याय कैसे मिलेगा?



लखनऊ/औरैया। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सहारनपुर में मस्जिद ध्वस्तीकरण को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार संविधान और कानून से नहीं चल रही है। यदि किसी पक्ष को हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट जाने का मौका दिए बिना 12 घंटे में कार्रवाई कर दी जाएगी तो न्याय कैसे मिलेगा?

अखिलेश यादव रविवार को औरैया जनपद के बिधूना में एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे थे। उन्होंने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मस्जिद गिराने की इतनी जल्दी क्या थी। प्रशासन की कार्रवाई से लोग दुखी हैं और यही लोग मिलकर भाजपा को हटाने का काम करेंगे।

उन्होंने भाजपा पर साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि सच्चा

के लिए किडनी प्रत्यारोपण की सलाह दी है। महिला के ससुर उमेश कुमार किडनी देने के लिए तैयार हैं, लेकिन प्रत्यारोपण में आने वाले आठ लाख रुपए के खर्च को जुटाना परिवार के लिए मुश्किल हो रहा है। इधर जैसे ही मामले की जानकारी जायंट्स ग्रुप आफ फिरोजाबाद महिला शक्ति प्रोजेक्ट की समन्वयक अनु बंसल के माध्यम से महिला शक्ति के पदाधिकारियों तक पहुंची। इसके बाद संस्था ने महिला के उपचार में सहयोग का

निर्णय लिया। संस्था अध्यक्ष सीमा अग्रवाल, दीपाली बंसल सहित पदाधिकारियों और सदस्यों ने एक लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की है।

प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर कल्पना राजौरिया ने बताया कि महिला के उपचार के लिए बड़ी धनराशि की जरूरत है। परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए संस्था की सहायता दी गई है। जरूरतमंद परिवार के साथ खड़ा होना ही सच्ची मानवता है।

मुरादाबाद के विदुषी एवं विद्वान शिक्षक-शिक्षिकाएं गुरु सम्मान-2026 अवार्ड से सम्मानित



मुरादाबाद। पराग ह्यूमन फाउंडेशन ट्रस्ट मुरादाबाद के तत्वावधान में रविवार को मिंगलानी सेलिब्रेशन में गुरु सम्मान-2026 नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुरादाबाद के विदुषी एवं विद्वान अध्यापकों को गुरु सम्मान-2026 अवार्ड से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि एसडीएम राकेश जयंत एवं सदर कोतवाली क्षेत्राधिकारी कुलदीप कुमार गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संस्था के अध्यक्ष विजय कुमार सिंह ने बताया कि हमारी संस्था गत 5 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों के शिक्षकों को गुरु सम्मान से सम्मानित कर चुकी है। इसी क्रम में आज चयनित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को सम्मान पत्र एवं भागवत गीता देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में साहू रमेश कुमार कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या अर्चना साहू, भगवती देवी स्कूल की डायरेक्टर शिप्रा दीक्षित, लक्ष्मी नारायण कन्या इंटर कॉलेज से विमलेश कुमारी, संवेदना किड्स कंटेज से श्रुति गुप्ता, मदर केयर प्ले स्कूल से कनिका अग्रवाल,

लिटिल चैंप्स प्ले स्कूल से सौम्या अग्रवाल, विलसोनिया कॉलेज से ज्योतिका सिंह, द जी के वैल्हम कॉलेज से डॉ मनमोहन शर्मा, पीएमएस स्कूल से निशिमा पाठक, बोनी एनी पब्लिक स्कूल से सुनीता, रमा जी पब्लिक स्कूल से रितु गुप्ता, पुलिस मॉडर्न पब्लिक स्कूल से ज्योति सिंह, आरएसडी अकेडमी से अभिषेक शर्मा, एसबीएस बिलारी से संयोग वशिष्ठ, स्प्रिंगफील्ड कॉलेज से स्वाति शर्मा, एमआईटी वर्ल्ड स्कूल से मंजुला कंबोज, गांधीनगर पब्लिक स्कूल से दिव्या अग्रवाल, आर्यस इंटरनेशनल से मंजू सिंह, एस एस चिल्ड्रन एकेडमी से डॉ बबिता अग्रवाल, जेनेसिस कोचिंग से शालीन गौर, विक्सोनिया स्कॉलर होम से शुभेला, गोल्डन गेट स्कूल

से सचिन घावरी को गुरु सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में उनके 50 वर्ष पूरे करने पर लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से डॉ जी कुमार व डॉ कंचन गुप्ता को और शिक्षा के क्षेत्र में उनके 40 वर्ष पूरे होने पर भावना दयाल को सम्मानित किया गया।

संस्था की संस्थापिका डॉ गरिमा सिंह ने कहा कि एक सामाजिक संस्था होने के नाते हमारा दायित्व बनता है कि हम ऐसे लोगों का सम्मान करें जिन्होंने समाज में एक आदर्श स्थापित किया है और अपने जीवन का एक दशक अपने क्षेत्र की सेवाओं को दिया है। कार्यक्रम की भव्य सफलता में मेधावी, उन्वशी सिंह, कार्तिक मिंगलानी का विशेष सहयोग रहा।

राजघाट हादसे में दोनों अधिवक्ताओं की मौत, निर्माण कार्य की जांच के आदेश

जिलाधिकारी दीपक मीणा ने राजघाट अंत्येष्टि स्थल पर हुए निर्माण कार्य की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने निर्माण कार्यदायी संस्था, संबंधित अधिकारियों और अन्य जिम्मेदार लोगों की भूमिका की जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जांच में यह भी देखा जाएगा कि गुंबद के निर्माण में निर्धारित मानकों का पालन हुआ था या नहीं और कहीं किसी स्तर पर लापरवाही तो नहीं बरती गई।

मलबे की चपेट में आए थे दोनों अधिवक्ता रविवार को बारिश के दौरान राजघाट स्थित अंत्येष्टि स्थल

परिसर में बने पत्थर के गुंबद पर आकाशीय बिजली गिरने की घटना हुई। इसके बाद गुंबद का एक हिस्सा अचानक भरभराकर नीचे गिर गया। उस समय गुंबद के नीचे मौजूद अधिवक्ता आलोक अस्थाना और संजय सिंह मलबे की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। यहां अधिवक्ता आलोक अस्थाना की मौत हो गई। वहीं, गंभीर हालत में संजय सिंह को बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां उपचार के

दौरान उनकी भी मौत हो गई। **प्रत्यक्षदर्शी ने बताया हादसे से ठीक पहले का घटनाक्रम** हिन्दुस्थान समाचार को प्रत्यक्षदर्शी आलोक मिश्रा ने बताया कि वह अपनी मामी की अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए राजघाट स्थित अंत्येष्टि स्थल पर मौजूद थे। बारिश से बचने के लिए वह कुछ अन्य लोगों के साथ गुंबद के नीचे खड़े थे। आलोक मिश्रा के मुताबिक, घटना से पहले उन्हें बिजली कड़कने जैसी कोई आवाज सुनाई नहीं दी। इसी दौरान गुंबद के नीचे एक कुत्ता आ गया, जिसके शरीर से दुर्गंध आ रही थी।

कानपुर में गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु से 20 सेंटीमीटर ऊपर

कानपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर में गंगा नदी का जलस्तर सोमवार को फिर बढ़ गया। कानपुर बैराज पर गंगा 114.200 मीटर पर बह रही है, जबकि चेतावनी बिंदु 114.000 मीटर है। यानी गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु से 20 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया है। पिछले दिन के मुकाबले भी जलस्तर में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

बाढ़ नियंत्रण विभाग के अनुसार कानपुर बैराज पर डाउनस्ट्रीम जलस्तर 113.930 मीटर दर्ज किया गया। बैराज से 359202 ब्यूसेक पानी डिस्चार्ज हो रहा है। बैराज पर खतरे का निशान 115.000 मीटर निर्धारित है। गंगा को बैराज के अपस्ट्रीम में गंगा का जलस्तर 113.960 मीटर और डाउनस्ट्रीम में 113.710 मीटर था। इसके



मुकाबले सोमवार को अपस्ट्रीम में 24 सेंटीमीटर और डाउनस्ट्रीम में 22 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। शुक्लागंज में भी गंगा का जलस्तर बढ़कर 112.640 मीटर पहुंच गया है। यहां चेतावनी बिंदु 113 मीटर और खतरे का निशान 114 मीटर है। रविवार को शुक्लागंज में जलस्तर 112.250 मीटर था। इस तरह यहां भी 39 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी हुई है।

हरिद्वार बैराज से 121147 ब्यूसेक और नरोरा बैराज से 99297 ब्यूसेक पानी का डिस्चार्ज दर्ज किया गया है।

बढ़ते जलस्तर को देखते हुए बाढ़ नियंत्रण विभाग की ओर से निगरानी जारी है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि गंगा के जलस्तर की लगातार निगरानी की जा रही है।

अंतिम रूप देने की दिशा में संघ के अध्यक्ष द्वारा गठित वरिष्ठ विशेषज्ञों के दल ने गोरखपुर पहुंचकर व्यवस्थाओं का विस्तार से निरीक्षण किया। विशेषज्ञों ने सम्मेलन स्थल, वैज्ञानिक सत्रों, प्रत्यक्ष शल्य प्रदर्शन, कार्यशालाओं, अतिथि चिकित्सकों

के ठहरने, परिवहन, स्वागत, प्रोटोकॉल तथा अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की और आयोजन को सुव्यवस्थित तथा प्रभावी बनाने के

विशेषज्ञों के सम्मेलन स्थल, वैज्ञानिक सत्रों, प्रत्यक्ष शल्य प्रदर्शन, कार्यशालाओं, अतिथि चिकित्सकों



गोरखपुर। नवंबर में गोरखपुर देश के शल्य चिकित्सा विशेषज्ञों के बड़े केंद्र के रूप में दिखाई देगा। उत्तर प्रदेश शल्य चिकित्सक संघ का प्रतिष्ठित वार्षिक सम्मेलन यूपीएसआईकॉन-2026 पहली बार गोरखपुर में आयोजित होने जा रहा है। 26 से 29 नवंबर 2026 तक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), गोरखपुर में होने वाले इस चार दिवसीय सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ देश और विदेश से बड़ी संख्या में प्रख्यात शल्य चिकित्सक, चिकित्सा शिक्षक, विशेषज्ञ चिकित्सक और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस बड़े आयोजन की तैयारियों को

बाढ़ प्रभावितों के साथ योगी सरकार, 5.94 लाख लंच पैकेट व 1.03 लाख से ज्यादा बाढ़ राहत किट वितरित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बाढ़ की चुनौती के बीच योगी सरकार का राहत और बचाव अभियान लगातार युद्धस्तर पर जारी है। सरकार की तत्परता से प्रभावित लोगों तक भोजन, सुरक्षित आश्रय, स्वास्थ्य सुविधाएं और जरूरी राहत सामग्री पहुंचाई जा रही हैं। उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक अब तक 19,454 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है, जबकि 5.94 लाख से अधिक लंच पैकेट और 1.03 लाख से ज्यादा बाढ़ राहत किट वितरित किए गए हैं। रेस्क्यू अभियान में अब तक 2,075 नाव एवं मोटरबोट का इस्तेमाल किया गया है। इन प्रयासों से प्रदेश में अब तक जन व पशुहानि शून्य दर्ज की गई है।

अब तक 19,454 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया प्रदेश में अब तक 37 जिले प्रभावित हुए हैं। वर्तमान में 25 जिलों में बाढ़ का प्रभाव बना हुआ है। प्रशासन की ओर से संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार



निगरानी रखते हुए राहत एवं बचाव कार्य संचालित किया जा रहा है। योगी सरकार की प्राथमिकता बाढ़ प्रभावितों की सुरक्षा है। इसी के तहत अब तक 19,454 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। रविवार को ही 8,264 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

2,075 नाव-मोटरबोट से लगातार

बचाव अभियान जारी

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत दलों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर नाव और मोटरबोट तैनात की गई हैं। अब तक 2,075 नाव एवं मोटरबोट का प्रयोग किया जा चुका है। इससे प्रभावित स्थानों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के साथ राहत सामग्री पहुंचाने में भी मदद मिल रही है। बाढ़

के दौरान किसी भी परिवार को भोजन की समस्या न हो, इसके लिए सरकार ने व्यापक खाद्य वितरण अभियान चलाया है। अब तक 5.94 लाख से अधिक लंच पैकेट और 1.03 लाख से अधिक बाढ़ राहत किट वितरित किए जा चुके हैं। रविवार को भी 63,955 लंच पैकेट और 11,249 खाद्यान्न पैकेट वितरित किए गए। इससे बाढ़ प्रभावित परिवारों को तत्काल खाद्य सहायता मिल रही है। **स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए मेडिकल टीमों और जरूरी दवाएं** बाढ़ के बाद संक्रमण और जलजनित बीमारियों की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग को भी पूरी तरह सक्रिय रखा गया है। प्रदेश में अब तक 1,072 मेडिकल टीमों गठित की गई हैं। वहीं प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए 6.47 लाख से ज्यादा क्लोरीन टैबलेट और 2.49 लाख से अधिक ओआरएस पैकेट वितरित किए जा चुके हैं।

1,315 बाढ़ शरणालय स्थापित, हजारों लोगों को सुरक्षित आश्रय

प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में अब तक 1,315 बाढ़ शरणालय स्थापित किए गए हैं। जहां 6,698 लोग शरणालयों में रह रहे हैं। योगी सरकार का प्रयास है कि विस्थापित परिवारों को सुरक्षित वातावरण के साथ भोजन और स्वास्थ्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएं। राहत एवं बचाव अभियान की अहम उपलब्धि यह है कि अब तक बाढ़ से किसी व्यक्ति की जनहानि और पशुहानि दर्ज नहीं हुई है। बाढ़ से 1,272 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनमें से 1,002 मामलों में प्रभावित परिवारों को सहायता वितरित की जा चुकी है।

प्रदेश में बाढ़ प्रभावित जिले अयोध्या, आजमगढ़, बहराइच, बदायूं, बलिया, बाराबंकी, बस्ती, चंदौली, फर्रुखाबाद, गाजीपुर, गोंडा, गोरखपुर, हरदोई, कासगंज, कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, मिर्जापुर, मुरादाबाद, प्रयागराज, रायबरेली, रामपुर, संत कबीर नगर, शाहजहपुर, उन्नाव और वाराणसी।

भारत की समृद्ध परंपरा को समझने की जरूरत : स्वांत रंजन

लखनऊ। सहकरिता क्षेत्र में समाज के बीच कार्य करने वाली संस्था सहकार भारती का दो दिवसीय प्रदेश अभ्यास वर्ग रविवार को एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट, सीतापुर रोड, लखनऊ के स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांत रंजन ने दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन सत्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बोलते हुए स्वांत रंजन ने कहा कि भारत की संस्कृति, परंपरा और धर्मबोध को साथ लेकर आगे बढ़ने और देश की समृद्ध परंपरा को समझने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सहकार भारती आर्थिक क्षेत्र में कार्य कर रही है और इसके कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण वर्ग का विशेष महत्व है।

स्वांत रंजन ने कहा कि भारत को लंबे समय तक अशिक्षित और गरीब देश के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया। जबकि ऐतिहासिक प्रमाण बताते हैं कि अंग्रेजों के आने से पहले भारत में शिक्षा की समृद्ध व्यवस्था थी।



उन्होंने कहा कि विभिन्न ऐतिहासिक अध्ययनों और अंग्रेजों के गजेटियर में भी भारत की शिक्षा व्यवस्था का उल्लेख मिलता है। कई क्षेत्रों में गांव-गांव में पाठशालाएं थीं, जिनकी व्यवस्था स्थानीय समाज मिलकर करता था। इनमें विभिन्न जाति और समुदायों के लोग शिक्षा प्राप्त करते थे। अंग्रेजी शासन के दौरान इस व्यवस्था को कमजोर किया गया और मिशनरी संस्थाओं के माध्यम से अलग शिक्षा व्यवस्था विकसित की गई।

स्वांत रंजन ने कहा कि भारत कभी गरीब देश नहीं रहा। लंबे समय तक आर्थिक शोषण के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था का वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान था। उन्होंने

कहा कि देश को फिर से समृद्ध और स्वावलंबी बनाने के लिए समाज के सामान्य वर्ग को आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि सहकार भारती कोई सरकारी संस्था नहीं, बल्कि सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाला संगठन है। इसलिए सभी को साथ लेकर चलना और समाज के हर वर्ग से मित्रता बनाए रखना जरूरी है। विधान परिषद सदस्य एवं एसआर ग्रुप के चेयरमैन पवन सिंह चैहान ने कहा कि वह स्वयं सहकारिता की भावना का जीता-जागता उदाहरण हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने गांव के लोगों के खेतों में सरसों की बुवाई से अपनी शुरूआत की और अब तक 18 विभिन्न व्यवसायों में सफलता हासिल की है।

दानिश आजाद अंसारी के नेतृत्व में कुंवर बासित अली का हुआ भव्य स्वागत

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर बासित अली के लखनऊ आगमन पर उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी के आवास पर रविवार को भव्य स्वागत किया गया। सैकड़ों की संख्या में अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं और समर्थकों की मौजूदगी में हुए इस कार्यक्रम ने जहां भाजपा के ताकत का एहसास कराया, वहीं समाजवादी पार्टी की वर्षों पुरानी ह्दमुरिस्तिम वोट बैंक वाली राजनीति को सीधी राजनीतिक चुनौती भी दी।



कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं का उत्साह और उमड़ा जनसमूह यह संदेश देता नजर आया कि

मुस्लिम समाज को किसी एक राजनीतिक दल की स्थायी राजनीतिक संपत्ति समझने का दौर

अब समाप्त हो रहा है।

राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार बिना भेदभाव, सबके विकास के संकल्प के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज का युवा अब केवल राजनीतिक नारों के आधार पर नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, विकास, सुरक्षा और सम्मान के आधार पर अपना भविष्य तय करना चाहता है।

प्रयागराज।

लोक कलाओं को जीवंत बनाए रखने, उनके संरक्षण और संवर्धन तथा विलुप्त हो रही कलाओं को बचाने के लिए डबल इंजन की सरकार संकल्पित है। लोक कला नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का प्रभावी माध्यम है। यह बातें उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनसीजेडसीसी) में आयोजित तीन दिवसीय छइउर प्ररेश लोक संस्कृति



उत्सव-लोक रंग, माटी के संग के शुभारंभ अवसर पर कहीं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक कलाकार अपनी कला और शब्दों के माध्यम से लोगों के मन पर गहरा प्रभाव डालते हैं। लोक कलाएं

हमारी पहचान और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सरकार लोक कलाओं के संरक्षण और संवर्धन के

लिए हरसंभव सहयोग करेगी। उन्होंने उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक से करीब पांच हजार दर्शकों की क्षमता वाले ऑडिटोरियम परिसर के निर्माण के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने को कहा।

उन्होंने कहा कि अच्छे कार्यों के लिए सरकार के पास बजट की कमी नहीं है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मानर्भर और विकसित भारत के निर्माण में कलाकारों और समाज के प्रत्येक वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने व्यंजना आर्ट एंड कल्चर सोसाइटी की संस्थापक मधुरानी शुक्ला सहित संस्था के सदस्यों और लोक कलाकारों को आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने संस्था द्वारा अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने की सराहना की। इससे पूर्व उप मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर उत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने संगीत सप्तरंग पुस्तिका का विमोचन भी किया।

सेवा व संस्कार का काम भी कर रही विहिप : गजेन्द्र सिंह

लखनऊ।

विश्व हिन्दू परिषद, गोमतीनगर प्रखंड की ओर से रविवार को महामना मदन मोहन मालवीय सभागार में विहिप का स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में विश्व हिन्दू परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री गजेन्द्र सिंह ने विहिप की स्थापना, उसके उद्देश्यों तथा समाज एवं राष्ट्रहित में संगठन द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने हिन्दू समाज को संगठित, संस्कारित एवं सशक्त बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से निरंतर सक्रिय रहने का आह्वान किया। क्षेत्र संगठन मंत्री गजेन्द्र सिंह ने कहा कि विहिप हिन्दुओं को संगठित करने के साथ-साथ बच्चों को संस्कार देने व सेवा कार्यों के संचालन का काम भी कर रही है। उन्होंने बहनों का आह्वान किया कि घरों में बच्चों को संस्कार दें।

क्षेत्र संगठन मंत्री ने कहा कि परिषद अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी मनायेगी। उन्होंने विहिप को एक शक्तिशाली संगठन बनाया। वेद विद्यालयों की स्थापना कराई इस दौरान उनके द्वारा हिन्दू समाज के लिए किए गये कार्यों को समाज के बीच ले जाया जायेगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भास्करानन्द महाराज, संघ के प्रान्त सेवा प्रमुख देवेन्द्र आस्थान ,विहिप की प्रान्त उपाध्यक्ष ईशा मित्तल के अलावा विभाग, जिला एवं प्रखंड के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जेई को कार से कुचलने वाला युवक गिरफ्तार

मथुरा।

गोविंदनगर थाना पुलिस ने जान से मारने की नीयत से कार से टक्कर मारकर जेई को कुचलने के आरोप युवक को गिरफ्तार कर रविवार जेल भेज दिया है। आरोपी की पहचान आगरा के न्यू आगरा थाना क्षेत्र स्थित पुष्पांजलि बाग फेस-4 निवासी दीपक उर्फ विशाल (39) पुत्र मधुसूदन के रूप में हुई है। आरोपी के पिता आगरा में भाजपा के पूर्व उपाध्यक्ष रहे हैं।

पुलिस के मुताबिक, 31 अगस्त को दोपहर करीब 12:30 बजे गोकुल रेस्टोरेंट के सामने सर्विस रोड पर ग्रामीण अभिवर्त्रण विभाग में अवर अभियंता विज्ञात भारती को आरोपी ने अपनी कार से टक्कर मार दी। आरोप है कि आरोपी ने वाहन के आगे और पीछे के पहियों से उन्हें रगड़ते हुए गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके से फरार हो गया। घायल विक्रान्त का वर्तमान में आरोग्य अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों के निर्देश पर स्पेशल ऑपरेशन टीम और गोविंदनगर थाना पुलिस की टीम गठित की गई। पुलिस ने वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। शनिवार रात को पुलिस ने बिजलीघर के सामने मसानी लिंक रोड से आरोपी दीपक उर्फ विशाल को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे कार बरामद की गई। अपर पुलिस अधीक्षक नगर राजीव कुमार ने बताया कि मुख्य अभियुक्त दीपक शर्मा के खिलाफ जल्दी से जल्दी साक्ष्य संकलन करते हुए चार्जशीट लगाते हुए और त्वरित न्याय के लिए केसेज ऑफ मॉनिटरिंग की लिस्ट में डालते हुए जल्दी से जल्दी सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। फिलहाल आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

बांदा : बारिश से नुकसान के सर्वे में वसूली का आरोप, लेखपाल निलंबित

बांदा।

दौरान प्रदेश के बांदा जिले में भारी बारिश से हुए नुकसान के सर्वे के उत्तर ग्रामीणों से कथित तौर पर अवैध वसूली किए जाने के आरोप का मामला सामने आया है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए संबंधित राजस्व लेखपाल संस्था सिंह को निलंबित कर दिया है। वहीं ग्रामीणों की मांग पर पूरे मामले की जांच कराने और दोबारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से सर्वे कराए जाने की तैयारी की जा रही है। प्ररेशभर में हाल में हुई भारी बारिश के कारण खेती पर प्रतिकूल असर पड़ा है। इसी क्रम में बुंदेलखंड के जनपद बांदा में तहसील अतर्रा के डंगरा पुरवा मठरे में कई गरीब परिवारों के कच्चे मकान क्षतिग्रस्त हो गए थे। बारिश का पानी घरों में घुसने से राशन समेत घरेलू उपयोग का अन्य सामान भी खराब हो गया था।

मुरादाबाद।

उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने रविवार को बताया कि मुरादाबाद रेल मंडल में यात्री सुविधाओं के उत्तन्यन, संरक्षा एवं स्टेशन परिसरों के विकास के दृष्टिगत मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित किए जा रहे कोटद्वार स्टेशन का गहन निरीक्षण किया गया। इस दौरान डीआरएम ने यात्रियों की सुविधा, सुगम आवागमन एवं सुरक्षित संचालन को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने स्टेशन के विभिन्न क्षेत्रों का विस्तृत निरीक्षण करते हुए उपलब्ध यात्री



सुविधाओं एवं पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने प्लेटफॉर्म पर यात्रियों के लिए उपलब्ध अनारक्षित एवं आरक्षित टिकट बुकिंग काउंटर, सकुलैटिंग एरिया, यात्री बैठने की व्यवस्था, विश्रामालय, पेयजल सुविधा,

शौचालय सहित अन्य यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया। मंडल रेल प्रबंधक ने स्टेशन परिसर एवं प्लेटफॉर्म पर यात्रियों के सुरक्षित टिकट बुकिंग काउंटर, सकुलैटिंग एरिया, यात्री बैठने की व्यवस्था, विश्रामालय, पेयजल सुविधा,

अंतर्गत कोटद्वार स्टेशन पर किए जा रहे पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए मंडल रेल प्रबंधक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शेष सभी कार्य उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप निर्धारित समयावधि में शीघ्र पूर्ण किए जाएं। उन्होंने निर्माण कार्यों के दौरान गुणवत्ता, यात्री सुविधा एवं संरक्षा मानकों का विशेष रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के क्रम में मंडल रेल प्रबंधक ने स्टेशन मास्टर कार्यालय एवं पैनल रूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन मास्टर एवं पॉइंट्समैन से संवाद स्थापित करते हुए स्टेशन पर ट्रेनों के सुरक्षित संचालन तथा संरक्षा से संबंधित नियमों एवं प्रक्रियाओं की जानकारी प्राप्त की।

मुरादाबाद : मनोना धाम में रेलवे हेल्प डेस्क स्थापित



श्रद्धालुओं के आगमन को दृष्टिगत रखते हुए रेलवे की टीम द्वारा हेल्प

डेस्क स्थापित कर श्रद्धालुओं को रेल वन ऐप (फ्रेंडल्ली अक्स्त्र)

की विभिन्न सुविधाओं, विशेष रूप से डिजिटल रेल टिकट

बुकिंग, के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के अनुसार अभियान के दौरान लगभग 150 श्रद्धालुओं के मोबाइल फोन में रेल वन ऐप डाउनलोड कराया गया तथा लगभग 50 रेल टिकटों की बुकिंग इस ऐप के माध्यम से कराई गई। इस अवसर पर मनोना धाम के महंत महाराज औमेंद्र चौहान से रेलवे की डिजिटल सेवाओं के प्रचार-प्रसार एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के संबंध में वार्ता की गई। महंत महाराज द्वारा धाम परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे हेल्प डेस्क

काउंटर स्थापित कराने में सहयोग प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की गई। महंत महाराज के सहयोग से धाम परिसर में प्रस्तावित रेलवे हेल्प डेस्क के संचालन हेतु संबंधित स्टफ को रेलवे की टीम द्वारा रेल वन ऐप के माध्यम से टिकट बुकिंग एवं अन्य डिजिटल रेलवे सेवाओं के उपयोग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, साथ ही श्रद्धालुओं को इस ऐप के प्रति जागरूक करने तथा इसके अधिकाधिक उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए रेलवे की ओर से प्रचारात्मक प्लेक्स एवं पोस्टर भी स्थापित किए गए।

बाढ़ राहत के तीसरे दिन खुद नाव से बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुंचे अजय सिंह, घर-घर पहुंचाई राहत सामग्री

बड़हरा (भोजपुर)। जिले में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर से उत्पन्न बाढ़ की स्थिति के बीच सामाजिक कार्यकर्ता अजय सिंह की ओर से चलाया जा रहा राहत एवं सेवा अभियान लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। रविवार को राहत कार्य में अजय सिंह खुद नाव के माध्यम से बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचे और प्रभावित परिवारों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया।

अजय सिंह नेकनाम टोला बांध, ज्ञानपुर, नथमलपुर और महुदही जैसे बाढ़ प्रभावित गांवों में नाव के जरिए पहुंचे। इन क्षेत्रों में उन्होंने स्थानीय

हम सेकुलर ने संगठन विस्तार पर दिया जोर, 14 प्रखंड अध्यक्षों समेत पदाधिकारियों को सौंपा मनोनयन पत्र

आरा। हिंदुस्तानी आराम मोर्चा (सेकुलर) के भोजपुर जिलाध्यक्ष राजेश्वर सिंह ने रविवार को जिले के 14 प्रखंड अध्यक्षों, 21 सदस्यीय जिला कमेटी, आरा महानगर अध्यक्ष एवं अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष को मनोनयन पत्र वितरित किया। इस दौरान आरा महानगर अध्यक्ष हरेकृष्ण प्रसाद उर्फ हरेकृष्ण पासवान एवं अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष विजय प्रसाद चौहान को भी मनोनयन पत्र सौंपा गया।

जिलाध्यक्ष ने आरा प्रखंड अध्यक्ष शक्ति कुमार, बड़हरा के महेश शर्मा, कोईलवर के वीर भगत सिंह, संदेश के रिकू बाबा, अगिआंव के अशोक कुमार सिंह, शाहपुर के कृष्णा राय एवं तराी के वीर गांधी सहित अन्य प्रखंड पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र दिया। इसके अलावा कोईलवर, जगदीशपुर, बिहिया एवं पौरो नगर पंचायतों तथा विभिन्न पंचायतों के अध्यक्षों को भी मनोनयन पत्र जारी किया गया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष ने सभी नवमनेनीत पदाधिकारियों को सदस्यता रसीद उपलब्ध कराते हुए अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी 15 दिनों के अंदर प्रखंड एवं पंचायत कमेटियों का गठन कर जिला कमेटी को इसकी जानकारी उपलब्ध कराएं। मौडिया के सवाल पर राजेश्वर सिंह ने कहा कि जीवन राम मांडी के मुख्यमंत्री कार्यकाल में गरीबों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण से संबंधित प्रस्ताव सदन से पारित कराया गया था, जिसे बाद में केन्द्र सरकार ने भी लागू किया। उन्होंने कहा कि चर्चा इस बात की नहीं होनी चाहिए कि किस जाति के कितने विधायक या मंत्री हैं, बल्कि यह देखा जाना चाहिए कि दलित एवं महादलित समाज के कितने बच्चों की पढ़ाई छूट रही है और कितने जरूरतमंद लोगों के पास अभी तक आधार कार्ड तक नहीं है। उन्होंने कहा कि वंचित वर्ग के लोगों को आगे बढ़ने का अवसर देने के लिए आरक्षण व्यवस्था में संशोधन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो आरक्षित सीटों पर भी पार्टी आगामी चुनाव में त्याग करने के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए सभी को तैयार रहना होगा। उन्होंने दलित उथ्थान के नाम पर राजनीति करने वालों से भी वास्तविक जरूरतमंदों के हित में काम करने की अपील की।

बड़हरा के पिपरपांती में बाढ़ पीड़ितों से मिले पप्पू यादव, 15 किमी ट्रैक्टर चलाकर पहुंचाई मदद

आरा/बड़हरा। बड़हरा विधानसभा क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने पहुंचे पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने पिपरपांती गांव में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात कर उनकी परेशानियां जानीं। उन्होंने बाढ़ में घर डूबने या कटाव में घर बह जाने वाले 30 से अधिक परिवारों को आर्थिक मदद दी और आगे भी सहायता जारी रखने का आश्वासन दिया। पिपरपांती जाने के दौरान पानी में फंसने से उनकी गाड़ी खराब हो गई।

इसके बाद पप्पू यादव ने करीब 15 किलोमीटर तक खुद ट्रैक्टर चलाकर बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच पहुंचकर मदद की। बाढ़ की स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि बिहार के कई जिले बाढ़ की गंभीर स्थिति से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकार अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखा रही है। उन्होंने कहा कि कई प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को भोजन, पेयजल और दवाओं के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। <

गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों एवं बीमार लोगों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि हर वर्ष एंटी-इरोशन एवं फ्लट फाइटिंग के नाम पर बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद बाढ़ की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। उन्होंने जल संसाधन विभाग एवं संबंधित अधिकारियों के पिछले 20 वर्षों के कार्यों की जांच कराने की मांग की। उन्होंने मुख्यमंत्री से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थल निरीक्षण कर स्थायी समाधान की दिशा में गंभीर पहल करने की अपील की। साथ ही, फरक्का से भीमनगर तक बराज एवं बांध से जुड़ी समस्याओं पर व्यापक चर्चा की जरूरत बताई।

इस दौरान उन्होंने जिलाधिकारी एवं आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव से बातचीत कर राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में पूर्व जाप जिलाध्यक्ष आशुतोष सिंह, डॉ. बृजेश यादव, संतोष कुमार, अजय यादव, अर्जुन यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

भाजपा का सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक, जिला कार्यालय में हुई कार्यशाला

आरा। भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक एक माह का सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत बूथ स्तर से जिला स्तर तक विभिन्न सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान की तैयारियों को लेकर रविवार को भाजपा जिला कार्यालय, बामपाली में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष दुर्गा राज ने की, जबकि संचालन महामंत्री संतोष चंद्रवंशी ने किया। मुख्य वक्ता क्षेत्रीय प्रभारी सह प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभाकर मिश्रा रहे। कार्यक्रम में बड़हरा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह, तराी विधायक विशाल प्रशांत, अगिआंव विधायक महेश पासवान, पूर्व मंत्री अमरेंद्र प्रताप सिंह,



प्रदेश कोषाध्यक्ष सह जिला प्रभारी राजेश सिन्हा एवं पूर्व जिलाध्यक्ष मिथलेश

कुशवाहा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।



बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए निःशुल्क भोजन की व्यवस्था जारी रही। रविवार को इस व्यवस्था से दो हजार से अधिक लोगों को भोजन

उपलब्ध कराया गया। इसके साथ ही अजय सिंह की टीम के कार्यकर्ताओं ने भी राहत अभियान को आगे बढ़ाते हुए बखोरापुर, नेकनाम टोला,

शाहपुर के बाढ़ग्रस्त इलाकों का भोजपुर डीएम ने किया निरीक्षण, राहत व्यवस्था का लिया जायजा

शाहपुर। प्रखंड क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए।आज रविवार को भोजपुर डीएम मनीष कुमार मीणा ने एसडीआरएफ की बोट से बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्याम बाबा का डौरा, हरिहरपुर सहित कई बाढ़ग्रस्त गांवों का दौरा कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया और प्रभावित लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन की ओर से की जा रही राहत एवं बचाव व्यवस्था का विस्तार



से जायजा लिया। उन्होंने सामुदायिक रसोई, मेडिकल कैंप, पशु चारा वितरण समेत अन्य राहत कार्यों का निरीक्षण किया। सामुदायिक रसोई में

हरक टोला, नथमलपुर, एकवना, बड़हरा और पिपरपांती सहित विभिन्न बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचकर जरूरतमंद लोगों के बीच सूखा राशन, भोजन एवं त्रिपाल का वितरण किया। टीम के माध्यम से एक हजार से अधिक लोगों तक राहत एवं सहायता पहुंचाई गई। लगातार तीसरे दिन भी राहत कार्य जारी रहने से बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच राहत सामग्री और भोजन पहुंचाने का सिलसिला बना हुआ है। अजय सिंह स्वयं प्रभावित इलाकों में पहुंचकर राहत कार्य की निगरानी कर रहे हैं, वहीं उनकी टीम

अलग-अलग क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुंचाने में जुटी हुई है। अजय सिंह ने कहा कि बाढ़ की इस कठिन परिस्थिति में प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है।

जब तक हालात सामान्य नहीं होते, तब तक भोजन, राशन, त्रिपाल और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में बाढ़ पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा होना ही सच्ची सेवा है और इसी संकल्प के साथ राहत अभियान आगे भी जारी रहेगा।

आरा-सलेमपुर रोड के एक नंबर छलका पर चढ़ा बाढ़ का पानी, लोजपा जिलाध्यक्ष ने लिया जायजा

अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री समय पर पहुंचाने, मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा पशुओं के लिए पर्याप्त चारा की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए रखे।

निरीक्षण के दौरान भोजपुर डीडीसी, जगदीशपुर एसडीएम, शाहपुर बीडीओ सहित अन्य प्रशासनिक एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

आरा-सलेमपुर रोड के एक नंबर छलका पर चढ़ा बाढ़ का पानी, लोजपा जिलाध्यक्ष ने लिया जायजा

करीब दो फीट पानी चढ़ गया है।

वहीं रतनपुर गांव के पास सड़क, बड़की संधिया छलका नंबर-दो लोहापुल के समीप तथा बड़की संधिया छलका नंबर-तीन, रामापुर संधिया मोड़ एवं गुरुदेव मार्केट के पास मुख्य सड़क पर देर रात तक पानी चढ़ने की संभावना जताई गई।

इधर, सुंदरपुर बरजा पंचायत के पिपरा गांव, पकड़ी के समीप तटबंध से मिट्टी कटाव की सूचना स्थानीय वार्ड सदस्य सतीश

कुमार ने जिलाध्यक्ष को दी। राजेश्वर पासवान ने तत्काल जिलाधिकारी भोजपुर मनेश कुमार मीणा को इसकी जानकारी देकर त्वरित कार्रवाई का आग्रह किया। जिलाधिकारी के निर्देश पर संबंधित पदाधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर तटबंध कटाव की रोकथाम के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू कराई। इस पर जिलाध्यक्ष राजेश्वर पासवान एवं पिपरा गांव के लोगों ने जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया।

बाढ़ प्रभावित भोजपुर वासियों से राजेश्वर पासवान ने की अपील, प्रशासन तक समस्या पहुंचाने का दिया भरोसा

आरा। लोजपा (रामविलास) के भोजपुर जिलाध्यक्ष राजेश्वर पासवान ने बाढ़ प्रभावित भोजपुरवासियों से धैर्य एवं सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जिले के जिन क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति गंभीर है और लोगों को प्रशासन की तत्काल सहायता की आवश्यकता है, वहां के लोग अपनी समस्याओं एवं प्रभावित क्षेत्र की जानकारी उन्हें उपलब्ध कराएं, ताकि जिला प्रशासन एवं बिहार सरकार

बाढ़ प्रभावित लोगों तक यथासंभव सहायता पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि इस कठिन परिस्थिति में वे स्वयं भी प्रभावित लोगों के साथ खड़े हैं और उनकी समस्याओं को प्रशासन के समक्ष उठाकर समाधान कराने का हरसंभव प्रयास करेंगे। उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों से किसी भी आपात स्थिति अथवा सहायता की आवश्यकता होने पर मोबाइल नंबर 9234689190 पर संपर्क करने की अपील की।

मदर टेरेसा की पुण्यतिथि और जगदेव प्रसाद का शहादत दिवस मनाया गया

सेवा, करुणा और सामाजिक न्याय के संदेश को आत्मसात करने का लिया संकल्प

आरा। श्रीकृष्ण चेतना समिति के सभागार में टीम मदर टेरेसा सेवाकर्मी एवं संत रविदास जनसेवा संगठन, भोजपुर के संयुक्त तत्वावधान में मदर टेरेसा की 29वीं पुण्यतिथि एवं जगदेव प्रसाद का 52वां शहादत दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संयोजक अमरदीप कुमार जय ने की। उद्घाटन डॉ. कुमार शील भद्र ने किया।

मुख्य अतिथि श्रीकृष्ण चेतना परिषद के अध्यक्ष नंदकिशोर यादव एवं विशिष्ट अतिथि यादव राम सकल सिंह भोजपुरिया रहे। मंच संचालन सीताराम रवि ने किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने मदर टेरेसा के सेवा और करुणा के कार्यों तथा जगदेव प्रसाद के सामाजिक न्याय के संघर्ष की याद किया। रमेश सिंह राम प्रसन्न ने कहा कि 5 सितंबर का दिन गौरवपूर्ण है। इस दिन शिक्षक दिवस के साथ मदर टेरेसा की पुण्यतिथि और जगदेव प्रसाद का शहादत दिवस भी पड़ता है। इन विभूतियों का जीवन राष्ट्र, समाज और मानवता की सेवा का संदेश देता है। डॉ. कुमार शील भद्र ने कहा कि सेवा ही मानव को अमर बनाती है। सीताराम रवि ने मदर टेरेसा को करुणा की मूर्ति बताया।

नंदकिशोर यादव ने समाज के लिए समर्पित रहने का आह्वान किया। यादव राम सकल सिंह भोजपुरिया ने दोनों विभूतियों को सदैव याद करने की बात कही। अध्यक्षीय संबोधन में अमरदीप कुमार जय ने मदर टेरेसा के सेवा भाव और जगदेव प्रसाद के सामाजिक संघर्ष को याद करते हुए उनके विचारों पर चलने का संकल्प लेने की अपील की। शकील हुसैन ने मदर टेरेसा को इंसाइनित और मानवता की प्रतिमूर्ति बताया। कार्यक्रम में सुरेश भोजपुरी, सुरेश कुमार, रशीदा खातून, चंद्रशेखर सिंह, अमोद प्रसाद, साहेब कुमार समेत कई लोग उपस्थित रहे।

प्राथमिक शिक्षक संघ की समीक्षा बैठक आयोजित



आरा। बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ पटना पंजियन संख्या 27/1958-59 का सारण के प्रमंडलीय प्राथमिक शिक्षक संघ की समीक्षात्मक बैठक रविवार को जिला स्कूल छपरा में हेरेंद्र प्रसाद राय अध्यक्ष बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ पटना की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

सारण प्रमण्डल के सभी जिले के प्रतिनिधि मंडल, घनश्याम यादव महासचिव बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ, मिथिलेश शर्मा उपाध्यक्ष बिराप्रशि संघ, मनोज कुमार उप महासचिव बिराप्रशि संघ, नन्दजी सिंह प्रधान सचिव प्राशि संघ भोजपुर, संजय कुमार देवांशु उप सचिव प्राशि संघ भोजपुर एवं नवल किशोर तिवारी मिडिया प्रभारी प्राशि संघ भोजपुर बैठक में शामिल हुए।

सिन्हा चौक पर बाढ़ पीड़ितों के बीच प्लास्टिक का वितरण, एडीएम समेत पुलिस-प्रशासन की टीम रही मौजूद

बड़हरा। बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए रविवार को सिन्हा चौक पर प्रशासन की ओर से प्लास्टिक का वितरण किया जा रहा है। इस दौरान एडीएम, कृष्णगढ़ थाना अध्यक्ष, सिन्हा थाना अध्यक्ष समेत अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी एवं पुलिस बल मौके पर मौजूद रहे। प्रशासनिक अधिकारियों ने बाढ़ पीड़ितों के बीच राहत सामग्री का वितरण कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। वहीं, मौके पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रशासन की टीम बाढ़ प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने में जुटी हुई है।

वित्त रहित शिक्षकों को मिलेगा वेतनमान प्रो राणा प्रताप



आरा (भोजपुर)। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के वरिय नेता प्रो राणा प्रताप कुशवाहा ने विगत दिनों पार्टी के विमर्श शिविर में वित्त रहित शिक्षकों की समस्याओं पर जोरदार ढंग से अपनी बातों को रखा था।

जबकि भाजपा एमएलसी नंदकिशोर यादव ने भी विगत कई वर्षों से वित्त रहित शिक्षकों के प्रति आने वाली परेशानियों के प्रति पुरजोर ढंग से सरकार के समक्ष रखा था। जिस पर मुख्यमंत्री स्मार्ट चौधरी ने शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में वित्त रहित शिक्षकों को वेतनमान देने की घोषणा की है। जिस पर प्रो कुशवाहा ने आभार जताते हुए मुख्यमंत्री के प्रति बधाई दी है। उन्होंने कहा कि वित्त रहित शिक्षकों की समस्याएं जटिल थी जिसकी कई वर्षों से सरकार के समक्ष यह मांग वित्त रहित शिक्षक करते आ रहे थे सरकार की पहल के बाव में ही वित्तरहित शिक्षकों के भविष्य की प्रति मुख्यमंत्री को नजरिया बेहद ही सम्मान जनक साबित हुई है जिसका मै दिल से आभारी हूं।

एमएलसी बना तो स्नातकों को दिलाऊंगा 5 लाख का ब्याज मुक्त ऋण : रजनीश रंजन

पूर्णिया। कोसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से बिहार विधान परिषद चुनाव 2026 को लेकर रविवार को कला भवन, पूर्णिया में जिला स्तरीय स्नातक मतदाता संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में जिले के शिक्षक प्रखंडों से बड़ी संख्या में स्नातक मतदाता शामिल हुए। सेवानिवृत्त एडीएम अरविंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में रजनीश रंजन का स्वागत किया गया। रजनीश रंजन ने कहा कि एमएलसी बनने पर वे स्नातकों के हक और अधिकार की आवाज सदन से सड़क तक उठाएंगे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की गिरफ्तारी पर कौशांबी और प्रयागराज के कांग्रेसियों ने किया धरना पदर्शन

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में 100 साल पुरानी मस्जिद के ध्वस्तीकरण के विरोध में सहारनपुर जा रहे थे इस दौरान उन्हें पुलिस द्वारा बल पूर्वक लखनऊ में ही गिरफ्तार कर लिया गया इसके विरोध कौशांबी कांग्रेस जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय व प्रयागराज शहर अध्यक्ष फुजैल हाशमी के नेतृत्व में सिविल लाइन्स में धरना दिया गया इस दौरान जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय



ने कहा कि हमारे प्रदेश अध्यक्ष सबके दुख सुख में शामिल होते हैं इसी क्रम में वह सहारनपुर स्थित मस्जिद के ध्वस्तीकरण के विरोध में वहां पहुंच रहे थे लेकिन उन्हें पुलिस प्रशासन द्वारा भाजपा सरकार के इशारे पर गिरफ्तार लिया गया। यह ध्वस्तीकरण को "अत्यंत हदयश्विदारक और शर्मनाक है उन्होंने कहा कि नफरत और विभाजन को ऐसी राजनीति देश के सामाजिक ताने-बाने और आपसी भाईचारे को कमजोर करता है इस दौरान कौशांबी कांग्रेस के प्रभारी राजेश साहनी

ने कहा कि जहां 100 से अधिक वर्षों से नामाज पढ़ी जा रही थी, उसे तड़के 5 बजे ही भारी पुलिस बल के साथ गिरा दिया गया, जो प्राकृतिक न्याय, और धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार के खिलाफ है।

इस मौके पर हरिकेश त्रिपाठी, विजय मिश्रा, मंजू संत, विनय दुबे, राजेश राकेश, तलत अजीम, सचिन पाण्डेय, निक्की पाण्डेय, आयुष यादव, तबरेज अहमद, अफरोज अहमद, नफीस कुरैशी, आबिद खान, ईश दत्त, सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गांवों में जमीन अधिग्रहण के लिए मुआवजे में 53 प्रतिशत बढ़ोतरी पर भी किसान खुश नहीं

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने शनिवार को बोर्ड बैठक में नोएडा क्षेत्र के गांवों में जमीन अधिग्रहण के लिए मुआवजे में 53 प्रतिशत बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। प्राधिकरण के इस निर्णय को किसानों ने बहुत नाकाफी बताया है। अभी तक नोएडा जमीन अधिग्रहण के बदले किसानों को 5324 रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से मुआवजा देता है। पांच प्रतिशत कोटे का भूखंड लेने पर 1100 रुपये घटाकर 4224 रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से मुआवजा देता है।

किसानों की नाराजगी

रविवार को हुए निर्णय के तहत अब पांच प्रतिशत कोटे का भूखंड लेने वाले किसानों को 6459 रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से मुआवजा दिया जाएगा। भूखंड नहीं लेने वाले किसानों को भी करीब 8 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब

से मुआवजा दिया जाएगा। प्राधिकरण के इस फैसले पर रविवार को किसानों ने नाराजगी जताई। किसानों का कहना है कि प्राधिकरण ने जो मुआवजा राशि तय की है उसके हिसाब से एक हेक्टेयर तक की जमीन नहीं ले पाएगा।

भूमि की वास्तविक कीमत

नोएडा में न्यूनतम से न्यूनतम जमीन की कीमत भी 20-25 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर से कम नहीं है। ऐसे में नोएडा को 6459 रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से कौन जमीन देगा। भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने कहा कि पिछले 12 साल से 2 हजार रुपये प्रति मीटर भी मुआवजा राशि प्राधिकरण ने नहीं बढ़ाई है, जबकि बाजार में हर साल जमीन के रेट बढ़ते जा रहे हैं। प्राधिकरण किसानों से सस्ती जमीन लेकर उसको डेढ़-

पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट मामले में एक और वांछित अभियुक्त गिरफ्तार



सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । 31 अगस्त को थाना पिपरी क्षेत्रान्तर्गत मनौरी स्थित अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट होने की घटना के संबंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना पिपरी पर मुकदमा विस्फोटक अधिनियम पंजीकृत किया गया था । घटना से संबंधित 6 अभियुक्तों को पूर्व में गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है ।

प्रकरण की विवेचना के दौरान गिरफ्तार अभियुक्तों से की गई पूछताछ, तकनीकी एवं अन्य अभिलेखीय साक्ष्यों के विश्लेषण के आधार पर जनपद प्रयागराज निवासी शोएब पुत्र अलीम की उक्त घटना तथा अवैध पटाखा कारोबार में संलिप्तता के सम्बन्ध में साक्ष्य प्राप्त हुये थे । अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु श्रीमान- पुलिस अधीक्षक कौशांबी द्वारा गठित टीमों को निर्देशित किया गया था ।

सोमवार को थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित प्रकाश में आये वांछित अभियुक्त शोएब पुत्र अलीम निवासी दायराशाह अजमल थाना शाहगंज जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया ।

स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी: पंकज सिंह

नोएडा। नंगला चरण दास स्थित जूनियर हाईस्कूल में को फेलिक्स हॉस्पिटल की ओर से निशुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन नोएडा विधायक पंकज सिंह ने किया। इस दौरान क्षेत्र के लोगों को निशुल्क स्वास्थ्य जांच और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श की सुविधा मिली। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष और कार्यकर्ताओं ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

इस मौके पर पंकज सिंह ने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को कई बार छोटी स्वास्थ्य समस्या के लिए भी अस्पताल तक जाना पड़ता है। ऐसे में उनके क्षेत्र में ही निशुल्क स्वास्थ्य जांच और विशेषज्ञ डॉक्टरों का परामर्श उपलब्ध होना काफी उपयोगी है। बीमारी का इलाज कराने से अधिक जरूरी है



कि समय रहते उसकी पहचान की जाए। इसके लिए नियमित स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकों से परामर्श जरूरी है। लोग स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न बरतें और समय-समय पर अपनी जांच कराते रहें। सरकार भी स्वास्थ्य सुविधाओं को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। सामाजिक संस्थाओं और अस्पतालों को भी आगे आकर ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने चाहिए। इससे समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग को सीधा लाभ मिलता है। शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ

चिकित्सकों की टीम ने लोगों की स्वास्थ्य जांच की और आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। शिविर में स्वास्थ्य जांच के साथ लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित जांच कराने और बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर समय से चिकित्सकीय सलाह लेने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी गया। अस्पताल की ओर से आगे भी जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए इस तरह के शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे। शिविर का उद्देश्य लोगों को स्वस्थ

पश्चिम शरीरा पुलिस द्वारा हत्या का प्रयास करने वाले 3 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । रविवार को थाना पश्चिम शरीरा पर वादी बच्चालाल सरोज पुत्र स्व0 बुद्ध निवासी गरड़ियन का पुरा मजरा डेढावल थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशांबी द्वारा सूचना दी गयी थी कि कल दिनांक 05.09.2026 को मेरे पड़ोस के रहने वाले विपक्षीयों द्वारा एक राय होकर मुझे एवं बीबू वचाव करने आए मेरे पत्नी एवं परिजनों को लाठी-डंडों से मारा पीटा गया है ।

सोमवार को थाना पश्चिम शरीरा पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 3 वांछित अभियुक्त धर्मपाल पुत्र मंगल सरोज . छोट्टन पुत्र मंगल सरोज . मंगल पुत्र दिनई निवासीगण गरड़ियन का पुरा मजरा डेढावल थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशांबी को



गिरफ्तार किया गया । अभियुक्तों के

कब्जे से घटना में प्रयुक्त लाठी

डण्डे बरामद किया गया ।

सभी मूलभूत सुविधाएं दुरुस्त की जाएंगी

ग्रेटर नोएडा। प्राधिकरण द्वारा बनाई गई ग्रुप हाउसिंग सोसाइटियों में बिजली, पेयजल, जल निकासी और सड़क सहित सभी मूलभूत सुविधाएं जल्द दुरुस्त की जाएंगी। कार्ययोजना तैयार

कर निविदाएं जारी की गई हैं। विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी के मुताबिक सेंक्टर ओमिक्रॉन-1ए स्थित दुरुस्त करने के लिए एजेंसी का चयन किया जाएगा।

संरक्षक:	संजय शुक्ला, (सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:	
रिजवन सौफ खान	
सह संपादक:	मोहम्मद दानिश फ़रस्त्री ,
सह संपादक:	राम सिंह यादव
	उक्त सभी पद अवैतनिक हैं

जीएसटी चोरी करने वाली एक फर्म के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में राज्य कर विभाग ने फर्जी बिलिंग के जरिए जीएसटी चोरी करने वाली एक फर्म के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। विभाग के जांच में 64.28 करोड़ रुपये की कर चोरी सामने आई, जिसे फर्म ने विभाग के खाते में जमा करा दिया है। राज्य कर विभाग ने ग्रेटर नोएडा के दनकौर इलाके में फर्जी बिलिंग के जरिए जीएसटी चोरी करने वाली एक फर्म पर बड़ी कार्रवाई की है। जांच में 64 करोड़ रुपये से अधिक की कर चोरी सामने आई है। जोनल अपर आयुक्त परीक्षित खटाना के निर्देशों पर संयुक्त



आयुक्त (विशेष अनुसंधान शाखा) संजय कुशवाहा के

मार्गदर्शन में उपायुक्त रमेश कुमार सिंह ने अपनी टीम के साथ इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया है। दरअसल, दनकौर क्षेत्र में पंजीकृत यह फर्म सिविल सविदा सेवाएं देती है। विभागीय पोर्टल बाब-बी, बीफा, जीएसटी प्राइम, ईडब्ल्यूएबी और गोपनीय सूचना के आधार पर फर्म के डेटा का विश्लेषण किया गया। जांच में पता चला कि फर्म केश लेजर में कोई राशि जमा नहीं कर रही थी और इनवर्ड सल्लाई पर जीएसटीआर-2ए/2बी में मिले क्लेम कर आउटवर्ड सल्लाई पर देय कर का समायोजन कर रही थी।

हिंडन नदी के डूब क्षेत्र में बसे हजारों परिवारों के लिए एक बड़ी राहतभरी खबर

नोएडा। नोएडा में हिंडन नदी के डूब क्षेत्र में बसे हजारों परिवारों के लिए एक बड़ी राहतभरी खबर आई है। स्थानीय विधायक पंकज सिंह के निरंतर प्रयासों के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस इलाके के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। हिंडन डूब क्षेत्र में रहने वाले हजारों परिवारों को बड़ी राहत मिली है। विधायक पंकज सिंह के प्रयासों के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इन बस्तियों में कानूनी और अस्थायी केश लेजर के कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएं। इस कदम से बिजली चोरी और गैर-कानूनी वसूली पर भी रोक लगने की उम्मीद जताई जा रही है। अवैध वसूली पर लोगों को मुख्यमंत्री ने बिजली विभाग के वरिष्ठ

अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि डूब क्षेत्र की बस्तियों में अब कानूनी और अस्थायी बिजली कनेक्शन प्रदान किए जाएं। इससे स्थानीय लोगों को अंधेरे में रहने से मुक्ति मिलेगी और अवैध वसूली करने वाले सिंडिकेट पर भी रोक लगने की उम्मीद है।

छिजरासी और चोटपुर में काटे गए थे कनेक्शन

ध्यान रहे कि हाल ही में बिजली विभाग ने हिंडन डूब क्षेत्र में व्यापक कार्रवाई करते हुए 3,000 से अधिक अवैध कनेक्शन हटाए और 30 से अधिक एफआईआर दर्ज की थीं। इसके बाद छिजरासी और चोटपुर जैसी बस्तियों में रहने वाले लोग कई दिनों तक बिजली और पानी से वंचित रहे।